दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 266/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 07 मई 2024 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

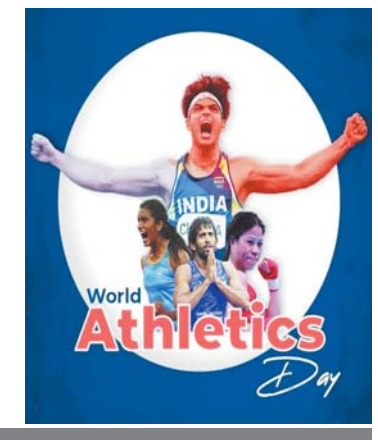

छुट पुट हिंसा के बीच लोकसभा के तीसरे चरण का मतदान

बंगाल में ज्यादा तो महाराष्ट्र में सबसे कम

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की 93 सीटों पर मतदान हो रहा है। आज गुजरात की 25, उत्तर प्रदेश की 10, महाराष्ट्र की 11, कर्नाटक की 14 सीटों समेत कुल 93 सीटों पर मतदान हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मतदाताओं से रिकॉर्ड संख्या में मतदान करने की अपील की। इसके बाद पीएम ने अहमदाबाद के निशान हायर सेकेंडरी स्कूल में मताधिकार का प्रयोग किया। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह भी गुजरात के अलग-अलग केंद्रों पर वोट डालेंगे।

कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने भरूच में एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। इस सीट पर भाजपा के मौजूदा सांसद मनसुखभाई वसावा का मुकाबला आम आदमी पार्टी के चैतर वसावा से है।

मुर्शिदाबाद में माकपा प्रत्याशी से भिड़े टीएमसी कार्यकर्ता

पश्चिम बंगाल। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण की वोटिंग जारी है। मुर्शिदाबाद में एक मतदान केंद्र पर मुर्शिदाबाद लोकसभा क्षेत्र से छ्क्क्ष्ठ्(रू) उम्मीदवार मो. सलीम और तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के बीच बहस हुई। तृणमूल समर्थकों ने मो. सलीम गो बैक के नारे लगाए। मो. सलीम ने कहा, ÷यहां पर लोगों को डराया धमकाया जा रहा है और आश्चर्य की बात है कि पुलिस खुद यह सब कर रही है। लोगों को वोट डालने के लिए धमकी दी जा रही। बूथ के सामने लोग खड़े होकर नारे लगा रहे हैं, पुलिस को उन्हें हटाने को कहा गया।÷

खगड़िया में बूथ पर बवाल, दो पक्षों में झड़प, अररिया में होमगार्ड जवान की मौत

पांचों लोकसभा क्षेत्र में कुल 54 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। इन पांचों सीटों पर कुल 98 लाख 60 हजार 377 वोटर हैं। कुल 9848 मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

खगड़िया जिले के गोगरी अनुमंडल स्थित पौरा थाना क्षेत्र के बूथ संख्या 181, 182 पर लोगों ने हंगामा किया। जिसके बाद वहां पर भारी संख्या में सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। गोगरी एसडीओ और एसडीपीओ वहां कैंप किए हुए हैं। बताया जा रहा है कि उक्त बुद्ध पर दो पक्षों में झड़प भी हुई है। वहीं ईवीएम को भी नुकसान पहुंचा है। जानकारी के अनुसार सहरौन गांव के लोगों ने पूर्व में वोट बहिष्कार का निर्णय लिया था।

अररिया ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड जवान की मौत- अररिया जिला अन्तर्गत पलासी प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विधालय पचैली में चुनाव ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड जवान महेन्द्र साह अचानक बीमार हो गये। आननफानन में उन्हें उपचार हेतु सदर अस्पताल अररिया लाया गया। यहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

मोदी ने मतदान के बाद लोगों से की स्वास्थ्य का ध्यान रखने की अपील, भीड़ में बच्चे को दुलारा

अहमदाबाद। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की 93 सीटों पर आज मतदान हो रहा है। इसमें गुजरात की 25, उत्तर प्रदेश की 10, महाराष्ट्र की 11, कर्नाटक की 14 सीटें शामिल हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मतदाताओं से रिकॉर्ड संख्या में मतदान करने की अपील की। उन्होंने अहमदाबाद के निशान हायर सेकेंडरी स्कूल में मतदान किया। तीसरे चरण मे अपने मताधिकार का प्रयोग करने के बाद मतदान केंद्र से बाहर आकर पीएम मोदी ने बच्चों के साथ मस्ती भी की। उन्होंने बच्चे को अपनी गोद में लेकर दुलारा। मतदान केंद्र से बाहर आकर पीएम मोदी ने मीडिया से भी बात की।

मीडिया से बात करने के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी प्रधानमंत्री मोदी के साथ वहां मौजूद थे। इस दौरान पीएम मोदी ने सभी से अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की अपील की है। पीएम मोदी ने कहा, ÷ये जो लोग दिन-रात दौड़ कर रहे हैं, अपने स्वास्थ्य की भी चिंता कीजिए। मीडिया की प्रतियोगिता भी इतनी है कि आपको समय से आगे दौड़ना पड़ता है। मैं तो यही प्रार्थना करुंगा अपने पुराने साथियों से की अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखिए और

धार में प्रधानमंत्री मोदी बोले

मोदी को 400 सीटें चाहिये ताकि कांग्रेस राम मंदिर पर बाबरी ताला ना लगा दे

धार। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मध्?य प्रदेश के धार में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्?होंने कहा कि हमारा आदिवासी समाज, हमारी संस्कृति और आजादी का सबसे बड़ा संरक्षक रहा है। आदिवासी समाज ने अयोध्या से निकले एक राजकुमार को पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम बनाया...।

धार बाबा साहब की धरती मेरे लिए पूजास्थली है। मैं यहां बाबासाहेब के संविधान के कारण ही पहुंचा हूं नहीं तो एक ही परिवार का राज होता। कांग्रेस बाबा साहब से नफरत करती है कहती है बाबा साहब का योगदान संविधान में कम था चाचा नेहरू का योगदान ज्यादा था।

- **कांग्रेस चाहती है कि संविधान बनाने का श्रेय बाबा साहेब को न मिले**

कांग्रेस का परिवार बाबा साहब से घोर नफरत करता है। भाजपा का सौभाग्य मानता हूं कि भाजपा सरकार ने बाबा साहब को भारत रत्न दिया था। एक प्रकार से चुनाव, संस्कार की प्रक्रिया भी है, लोकतंत्र के प्रति समर्पण को और अधिक प्रभावी बनाने का उत्तम अवसर है। धार के मेरे भाई-बहनों ने आज जो ये उत्सव को माहौल बना दिया है, मैं धार के लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। कांग्रेस, बाबा साहेब से नफरत ?करती है, इसी नफरत में अब कांग्रेस ने एक और चाल चली है। कांग्रेस चाहती है कि संविधान बनाने का श्रेय बाबा साहेब को न मिले।

मैं आज दो टूक कह रहा हूं यह कांग्रेस वाले और उनके सारे चट्टे बट्टे कान खोल कर सुन लो जब तक मोदी

जिंदा है नकली सेकुलरिज्म के नाम पर भारत की पहचान मिटाने की कोई भी कोशिश मोदी सफल नहीं होने देगा

मोदी भारत को विकसित बनाने के मिशन पर निकला है पहली बार करोड़ों लोगों को घर मिला माता बहनों को टॉयलेट मिला 50 साल तक सिर्फ गरीबी हटाओ का नारा कांग्रेस ने लगाया। मोदी मुक्त अनाज देता है क्योंकि गरीब के घर का चूल्हा जलता रहे गरीबों का बच्चा भूखा ना सोए और कांग्रेस कहती है कि अनाज देना बंद कर देंगे इलाज मुफ्त देना बंद कर देंगे

आज तीसरे चरण का मतदान चल रहा है। पहले चरण में विपक्ष पस्त पड़ गया था, दूसरे चरण में विपक्ष ध्वस्त हो गया था और आज तीसरे चरण में जो कुछ बाकी रह गया है, वो भी अस्त हो जाएगा। क्योंकि पूरे देश ने ठान लिया है- फिर एक बार मोदी सरकार। कांग्रेस के लोग एक नई अफवाह उड़ा रहे हैं कि मोदी को 400 सीटें मिल गईं, तो वो संविधान बदल देगा। ऐसा लगता है जैसे कांग्रेस वालों की बुद्धि पर वोट बैंक का ताला पड़ गया है। अरे, इनको पता होना चाहिए कि 2014 से 2019 और 2019 से 2024 मोदी के पास ह्लष्ठ और ह्लष्ठ+ के रूप में 400 सीटों का समर्थन तो था ही।

इन परिवारवादियों ने पहले देश का इतिहास तोड़ा-मरोड़ा, आजादी के महान सपूतों को भुलवा दिया। इन परिवारवादियों ने अपना महिमामंडन करने के लिए झूठा इतिहास लिखा और अब ये संविधान को लेकर भी झूठ गढ़ने लगे हैं।

मध्य प्रदेश में 1 बजे तक 44.67 प्रतिशत वोटिंग

राजगढ़ व विदिशा में 50 फीसदी के पार मतदान का आंकड़ा

भोपाल। मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के तहत नौ लोकसभा क्षेत्रों में हो रही मतदान में खासा उत्साह नजर आ रहा है। मतदाता सुबह से ही मतदान केंद्र पहुंचना शुरू हो गए और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान कहीं मतदाताओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया, तो कहीं लकी ड्रॉ भी निकाला जा रहा है। बता दे कि इस चरण में 1.77 करोड़ से अधिक मतदाता 127 उम्मीदवारों में से अपनी पसंद के प्रत्याशी के लिए मतदान करेंगे।

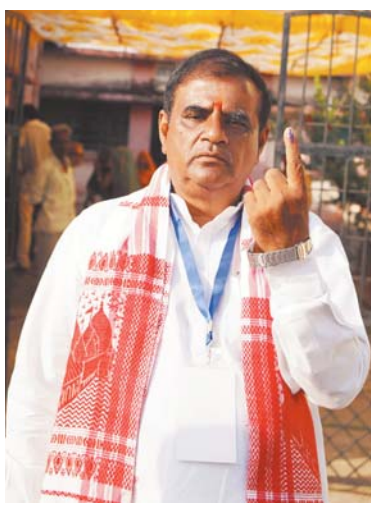

मतदान रोकने से विवाद

मुरैना विधानसभा और नूराबाद थाना क्षेत्र के रनचोली गांव में मतदान से रोकने को लेकर विवाद दो समाजों के लोग आमने-सामने हो गए। जिसमें एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के एक व?यक्ति की झोपड़ी में आग लगा दी। हंगामे के कारण आधे घंटे से अधिक समय तक मतदान रुका रहा। वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सीएम मोहन यादव ने की मतदान की अपील

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लोगों से मतदान की अपील की। उन्होंने कहा कि मतदान हमारा संवैधानिक अधिकार है और इससे लोकतंत्र मजबूत होता है।

पूर्व सीएम शिवराज ने की मतदान की अपील

पूर्व सीएम और विदिशा से भाजपा प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान ने कहा, मैंने अपना वोट डाला है। वोट लोकतंत्र की आत्मा है, लोकतंत्र के प्रति निष्ठा का प्रतीक है। सभी को मतदान करना चाहिए। आज मैंने भी मताधिकार का प्रयोग किया है।

ये मेरा आखिरी चुनाव, जीत का पूरा भरोसाः दिग्विजय सिंह

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने पत्नी अमृता राय के साथ हनुमान मंदिर में पूजा की। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा, ÷ये मेरा आखिरी चुनाव इसलिए है क्योंकि मैं 77 साल का हो गया हूं और हम नए युवा को मौका देंगे। हमें जीतने की उम्मीद 100 प्रतिशत है।÷

कलेक्टर ने लकी ड्रॉ निकाला

चार इमली मतदान केन्द्र पर कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने लकी ड्रॉ निकाला। जिसमे डायमंड रिंग, डिनर सेट एवं मिक्सर ग्राइंडर विजेताओं वितरित किए गए।

भोपाल में 01 बजे तक 40.41 प्रतिशत वोटिंग, दोपहर बाद मतदान केंद्रों पर छाई सुस्ती

भोपाल। लोकसभा संसदीय क्षेत्र भोपाल के 22 उम्मीदवारों का भविष्य आज ईवीएम में बंद होने जा रहा है। जिले के सात विधानसभा क्षेत्र के 2097 और सीहोर विधानसभा क्षेत्र के 266 केंद्र मिलाकर दो हजार 363 केंद्रों पर सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो गया है, जो कि शाम छह बजे तक चलेगा। इससे पहले सुबह छह बजे राजनीतिक दलों के एजेंटों के सामने 50 दिखावटी मत डालकर माकपाल प्रक्रिया संपन्न की गई। सुबह से ही मतदाताओं में उत्साह नजर आया। सात बजे से पहले ही तमाम केंद्रों पर पोलिंग बूथ के बाहर मतदाता कतार लगाए मत डालने का इंतजार करते नजर आए। भोपाल संसदीय क्षेत्र में सुबह 09 बजे तक यानी शुरुआती दो घंटे में 12 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं सुबह 11 बजे तक 27.46 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके थे। हालांकि इसके बाद धूप तीखी होने के साथ मतदान में थोड़ी कमी देखी गई। मतदाताओं की कतारें छोटी हो गईं और दोपहर 12 बजे के बाद कुछ केंद्रों पर सन्नाटा भी नजर आया। दोपहर 01 बजे तक भोपाल सीट पर कुल 40.41 प्रतिशत वोटिंग हुई।

135 आदर्श और 72 पिंक मतदान केंद्र

जिले में 135 आदर्श मतदान केंद्र और 72 पिंक मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इसके साथ 12 यूथ और सात पीडब्ल्यूडी मतदान केंद्र भी बनाए गए हैं। पिंक मतदान केंद्रों पर सिर्फ महिला कर्मचारी ही पूरी मतदान प्रक्रिया को संपन्न कराएंगी।

जगदीशपुर में ईवीएम की बटन खराब देरी से शुरू हुआ मतदान

बैरसिया विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत जगदीशपुर स्थित मतदान क्रमांक 260 में ईवीएम मशीन की बटन खराब हो गई। जिसे सेक्टर अधिकारी द्वारा बदला गया।

भाजपा में शामिल हुए फिल्म अभिनेता शेखर सुमन एवं राधिका खेड़ा

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेता शेखर सुमन एवं कांग्रेस की प्रवक्ता रहीं राधिका खेड़ा ने भाजपा का दामन धाम लिया है। खेड़ा ने दो दिन पहले कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दिया था। राधिका खेड़ा ने अपने साथ छत्तीसगढ़ में दुर्व्यवहार करने और साजिश रचने का आरोप लगाया था। बीजेपी में शामिल होने के बाद कांग्रेस की पूर्व नेता राधिका खेड़ा ने कहा कि रामभक्त होने के नाते रामलला के दर्शन करने पर कौशल्या माता की धरती पर मेरे साथ दुर्व्यवहार किया गया।

विधायक रामेश्वर शर्मा ने पत्नी के साथ बूथ क्रमांक 221 पर पहुंचकर किया मतदान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विधायक रामेश्वर शर्मा ने दक्षिण पश्चिम विधानसभा के विश्वेश्वरैया भवन के बूथ 221 पर अपना मताधिकार का प्रयोग किया। विधायक शर्मा ने कहा कि हर बूथ पर जय श्रीराम और मोदी मैजिक चल रहा है। सुबह 6 बजे से ही सभी मतदान केंद्रों पर भारी भीड़ है नागरिक उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहें है जिसके लिये मैं जनता को साधुवाद देता हूँ। भाजपा के देव तुल्य कार्यकर्ता हर बूथ पर मुस्तैदी के साथ डटें हुए हैं उनको भी बधाई शुभकामनाएं। देश में में फिर विकास और सनातन को समर्पित मोदी सरकार बनेगी।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज के जर्नल का चौथा संस्करण जारी किया

संत हिरदाराम नगर। भोपाल के संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की अनुसंधान समिति ने एसएचजीसी जर्नल आफ रिसेंट रिर्सच इन साइंस एंड ह्यूमैनिटीज का चैथा संस्करण जारी किया। प्राचार्य, डॉ. डालिमा पारवानी ने अनुसंधान समिति को बधाई देते हुए कहा कि यह जर्नल संस्था की विभिन्न विषयों में ज्ञान और अनुसंधान को आगे बढ़ाने के संकल्प और विशेषज्ञता का प्रमाण है। अनुसंधान समिति की संयोजक, डॉ माधवी गौड़, ने संस्था के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की और समिति के सभी सदस्यों के अथक प्रयासों और संस्था के उच्च शैक्षणिक स्तर को बनाने में उनकी अविचल निष्ठा के लिए धन्यवाद दिया। विज्ञान एवं मानविकी का यह जर्नल शोधकर्ताओं एवं मेधावी छात्रों को अपने शोध विषयक कार्य को प्रकट करने के लिए एक मंच प्रदान करता है तथा उन्हें अन्य शोध कर्ताओं, विषय विशेषज्ञों के समुदाय से परिचित भी कराता है।

भोपाल। जैन समाज द्वारा 100 प्रतिशत मतदान संकल्प को लेकर शहर के प्रमुख विभिन्न जैन मंदिरों में जाकर मंदिर समितियों से आव्हान किया गया। दिगंबर जैन महासभा द्वारा जो प्रदेश भर में 100 प्रतिशत मतदान का संकल्प लियाथा इस हेतु जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल ने भोपाल के विभिन्न जैन मंदिरों में पूर्व अध्यक्ष प्रमोद हिमांशु, राजेन्द्र, टी आई सुनील जेनाविन, सतीश शीतल, विनोद इंजीनियर सहित समाज जन ने मंदिर समितियां से मिलकर 100 प्रतिशत मतदान करने की अपील की।

वैशाख की पूर्णिमा पर सती माता मंदिर में होगा भंडारा

भोपाल। ग्राम दतवासा तहसील डोलरिया जिला नर्मदापुरम में सती माता मंदिर बैठक में निर्णय लिया प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी 23 माई को वैशाख की पूर्णिमा दिन गुरुवार इस वर्ष भी विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा एवं मंदिर में उपस्थित पंडित एवं अनिल गौर अभिषेक गौर अतुल गौर लड्डु गौर पंकज गौर मनीष गौर गौरव गौर मंजुल गौर राम मनोहर गौर राजेश गौर रिंकू गौर विकास गौर जगदीश गौर अंकित गौर सुमित गौर अभिजीत सभी लोगों ने अपने-अपने विचार रखें अभिषेक गौर ने बताया कि यह मंदिर 1942 का बना हुआ है इसको संभालना और आगे विकास करना हम सब का कर्तव्य है इसके लिए हम सबको आगे आकर अपना योगदान और अपना-अपने कर्तव्य को निभाना चाहिए।

आर्य समाज ने किया भजन संध्या का आयोजन

भोपाल। प्रदेश के जाने माने उद्योगपति एवं समाजसेवी आर्य कुलभूषण स्व. माधुरी सरन अग्रवाल की 9 वीं पुण्यतिथि पर आर्य समाज पिपलानी भोपाल में एक भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजनों की प्रस्तुति मध्य भारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री प्रकाश आर्य जी एवं सहयोगियों द्वारा दी गई। श्री प्रकाश आर्य जी प्रोफेशनल सिंगर नहीं हैं परंतु गीत एवं भजन लिखने तथा गाने में उनकी रुचि है। भजन संध्या की विशेषता थी समस्त भजन भारतीय रागों पर आधारित थे कोई भी फिल्मी धुनों का प्रयोग नहीं किया गया। कार्यक्रम में शहर की जानी मानी हस्तियां उपस्थित थीं। प्रसिद्ध समाज सेवी श्री रघुनंदन जी शर्मा ने स्वर्गीय माधुरी सरन जी से उनके आत्मीय संबंधों की चर्चा में बताया कि वे मुझसे उम्र में बड़े थे तथा जहाँ भी जरूरतमंदों को उनकी जरूरत होती थी वे सबसे पहले उपस्थित होते थे तथा अपना सहयोग और मार्गदर्शन दिया करते थे।श्री विजय अग्रवाल जी ने अपने पिताजी की स्मृति में आयोजित भजन संध्या में उपस्थित समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन पिपलानी समाज के प्रधान श्री अतुल वर्मा द्वारा किया गया।

भागवत कथा में संतश्री से आशीर्वाद लिया

भोपाल। श्री सिंह वाहिनी दुर्गा भक्ति समिति द्वारा शिव नगर फेस टू में श्रीमद् भागवत कथा एवं पंचकुडी यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। कथावाचक संत मुरारी दास महाराज वृंदावन धाम धाम द्वारा उनके मुखारविंद से किया जा रहा है। इसकी अध्यक्षता ज्ञान सिंह नरवरिया एवं समस्त समिति द्वारा कराया जा रहा है। यह जानकारी डा श्रीकांत अवस्थी ने दी। जिसमें मध्य प्रदेश ब्रहाम्ण कल्याण बोर्ड अध्यक्ष विष्णु रजौरिया, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष राकेश चतुर्वेदी गौरी शंकर शर्मा , अध्यक्ष मध्य प्रदेश अरूण कुमार द्विवेदी, जितेंद्र शर्मा राष्ट्रीय सचिव डॉ श्रीकांत अवस्थी ने पूज्यश्री का आशीर्वाद प्राप्त किया।

एम्स के आयुष विभाग में शिरोधारा की सुविधा से स्वस्थ हो रहे मरीज

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह मरीजों के सर्वांगीण स्वास्थ्य के लिए इलाज की सभी विधाओं एलोपैथी, आयुर्वेद, यूनानी, योग, सिद्धा अथवा होमियोपैथी के विकास हेतु प्रयासरत रहते हैं । उनके इन्ही प्रयसों से आज एम्स भोपाल में उच्च स्तर की स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध हैं। ऐसी ही एक विधा है आयुर्वेद । आयुर्वेद में एक चिकित्सा पद्धति है शिरोधारा, जिसकी उत्पत्ति हजारों साल पहले भारत में हुई थी। यह मरीज के शरीर में जीवन शक्तियों, जिन्हें दोष कहा जाता है, को पुनर्संतुलित करने पर केंद्रित है।

ऐसी ही एक कहानी है 46 वर्षीय नमन (बदला हुआ नाम) की। जिन्हे पिछले 6 सालों से रात में ठीक से नींद नहीं आती

थी। सारी रात करवटें लेते बीत जाती थी। नींद की गोलियां भी ली। पर जब तक दवा कहते तब तक तो ठीक पर बाद में फिर वही ढाक के तीन पात। आखिरकार, एम्स भोपाल के आयुष विभाग में डॉ दानिश जावेद को ओपीडी में दिखाया। उन्होंने नमन को शिरोधारा करवाने की सलाह दी। केवल एक महीने के इलाज के बाद ही मरीज की स्थिति में काफी बदलाव आने लगा। लगभग 3 महीने चले इलाज के बाद नमन अब रातों में चैन की नींद लेते हैं। शिरोधारा एक आयुर्वेदिक उपचार तकनीक है जिसमें रोगी के माथे पर औषधीय तेल, दूध या छाछ गिराया जाता है। शिरोधारा दो संस्कृत शब्दों - शिरो (सिर) और धारा (प्रवाह) से बना है। जिसमें रोगी के माथे पर तरल - आमतौर पर तेल, दूध, छाछ, या पानी - डालना शामिल है। इसे अक्सर शरीर, खोपड़ी या सिर की मालिश के साथ किया जाता है। यह जड़ी-बूटियों से संसाधित तेल, दूध या छाछ ऐसे बर्तन में डाल दिया जाता है, जिसके नीचे बीच में एक छोटा-सा छेद होता है उसी छेद से तेल माथे पर (दोनों आई-ब्रो के बीच) गिराया जाता है। आंखों को

बचाने के लिए उसे पट्टी से ढक दिया जाता है । शिरोधारा का शरीर और दिमाग पर आरामदायक, सुखदायक और शांत प्रभाव पड़ता है। शोध से यह भी पता चलता है कि शिरोधारा थकान कम करता है, नींद संबंधी समस्याओं में फायदेमंद, सिरदर्द में सुधार ,तनाव, चिंता और अवसाद को कम करता है, एकाग्रता में सुधार और ब्लड-प्रेशर को कम करने में सहायक होता है। पिछले केवल एक माह में लगभग 70 मरीजों ने इसका लाभ उठाया।

कर्मचारियों और श्रमिकों को शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मतदान महादान नामक एक नवीन अभियान की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य मतदान की प्रतिशतता में वृद्धि करना है। प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे के नेतृत्व में, संगठन के पदाधिकारी राजधानी के विभिन्न शासकीय कार्यालयों में पहुंचे और कर्मचारियों तथा श्रमिकों को लोकतंत्र के महापर्व में शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित किया।

इस अभियान के तहत, लाल परेड ग्राउंड, वन भवन, निर्माण भवन, नर्मदा भवन, वन मंडल कार्यालय, और मुख्य वन संरक्षक कार्यालय जैसे प्रमुख स्थानों पर पहले मतदान फिर जलपान के नारे के साथ जागरूकता फैलाई गई। पांडे ने बताया कि लोकसभा चुनाव के आगामी दो चरणों में कर्मचारियों का पोस्टल बैलट मतदान 100 प्रतिशत सुनिश्चित करने का लक्ष्य है। इस अभियान के माध्यम से, कर्मचारी मंच ने न केवल कर्मचारियों और उनके परिवारों को, बल्कि श्रमिकों और आम जनमानस को भी अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित करने की अपील की है। अभियान में शामिल पदाधिकारियों में अशोक पांडे, सुनील पाठक, हरि सिंह गुर्जर, लव प्रकाश पाराशर, श्याम बिहारी सिंह, शिव प्रसाद सांगुले, सत्येंद्र पांडे, चांद सिंह, जगदीश शर्मा, श्यामलाल विश्वकर्मा, और भगवान दास बिल्लोरे जैसे व्यक्तित्व शामिल हैं। इस पहल के जरिए मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने एक बार फिर से लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और समर्थन का प्रदर्शन किया है।

रैपिडो और मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन कार्यालय की पहल, मतदाताओं को प्रदान की परिवहन सेवाएं

भोपाल। देश के लोकतांत्रिक ढांचे को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता के साथ भारत के प्रमुख कम्यूट ऐप रैपिडो ने राष्ट्र के प्रति अपना कर्तव्य निभाते हुए %सवारी जिम्मेदारी की' पहल का लॉन्च किया है। मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचय कार्यालय के सहयोग से रैपिडो 7 मई 2024 को भोपाल के मतदाताओं के लिए मुफ्त बाईक टैक्सी राईड उपलब्ध कराएगी। इसके अलावा रैपिडो ने शहर के निवासियों को मतदान के महत्व पर जागरुक बनाने के लिए शहर प्रशासन के साथ साझेदारी भी की है। 100 बाईक टैक्सी कैप्टन्स के साथ इस रैली को प्लेटिनम प्लाज़ा अटल पथ, भोपाल से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर श्री अनुपम राजन, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, मध्य प्रदेश, श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, आईएएस, कलेक्टर एवं ज़िला मजिस्ट्रेट, भोपाल और श्री रितेश शर्मा, असिस्टेन्ट नोडल ऑफिसर, एसवीईईवी, भोपाल मौजूद रहे, और नागरिकों को मतदान के लिए प्रोत्साहित किया। चुनाव के दिन मतदाता रैपिडो ऐप पर कोड वोट नाउ का उपयोग कर मुफ्त राईड पा सकते हैं और अपने लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग कर सकते हैं। नागरिकों के मतदान के अधिकार को बढ़ावा देना तथा चुनाव प्रक्रिया को अधिक समावेशी बनाना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। ये प्रयास रैपिडो के राष्ट्रव्यापी अभियान के अनुरूप हैं, जिसके तहत 100 से अधिक शहरों में चुनाव के दिन मुफ्त राईड उपलब्ध कराने के लिए 10 लाख से अधिक कैप्टन्स को लगाया गया है। मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन कार्यालय के साथ रैपिडो की साझेदारी ऐसा ब्राण्ड बनने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो बेहतर समाज के निर्माण में सकारात्मक योगदान दे सके। रैपिडो के सह-संस्थापक पवन गुंटुपल्ली ने कहा, हम इस पहल के द्वारा सुनिश्चित करना चाहते हैं कि भोपाल में हर मतदाता भारतीय आम चुनाव 2024 के दौरान अपने मतदान के कर्तव्य को सफलतापूर्वक निभाए।

बॉयो मेडिकल वेस्ट अलग न करना हॉस्पिटल प्रबंधन को पड़ा महंगा, निगम अमले ने किया 10 हजार का जुर्माना

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नगर निगम द्वारा शहर में साफ-सफाई एवं कचरा निष्पादन हेतु निरंतर कार्यवाही की जा रही है और साफ-सफाई न रखने तथा गीला-सूखा एवं अन्य प्रकार का कचरा पृथक-पृथक न रखने व निगम के कचरा वाहन को पृथक्कीकृत कचरा न देने वालों के विरूद्ध कार्यवाही भी की जा रही है। इसी तारतम्य में बॉयो मेडिकल वेस्ट सामान्य कचरे के साथ मिलाकर देने पर निगम के जोन क्र. 14 के अमले ने समन्वय नगर स्थित साक्षी हॉस्पिटल प्रबंधन से 10 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया साथ ही उक्त जोन क्षेत्र के अन्य वार्डों में कुल 28 प्रकरणों में 13 हजार रूपये की राशि वसूल की।

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम अमले द्वारा साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने एवं इसे निरंतर बनाए रखने के दृष्टिगत अपने-अपने क्षेत्रों में निरीक्षण

किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान कचरा वाहन चालक द्वारा अवगत कराये जाने पर निगम के स्वास्थ्य विभाग का अमला स्थल पर पहुंचा और पाया कि जोन क्र. 14 के अंतर्गत वार्ड क्र. 60 समन्वय नगर स्थित साक्षी हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा बॉयो मेडिकल वेस्ट सामान्य कचरे के साथ मिलाकर कचरा वाहन को दिया जा रहा है जिस पर प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी श्री राकेश शर्मा ने साक्षी हॉस्पिटल से 10 हजार रुपये का जुर्माना वसूला और गीला-सूखा व अन्य प्रकार का कचरा पृथक-पृथक रखने व पृथक-पृथक ही कचरा वाहन को देने की समझाइश दी। निगम अमले ने गंदगी फैलाकर साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए कुल 28 प्रकरणों में 13 हजार रूपये की वसूल की।

मतदान की झलकियां छाया चित्रों में

महापौर मालती राय ने वार्ड 36 बूथ क्रमांक 185 पुष्पा नागर में मतदान किया

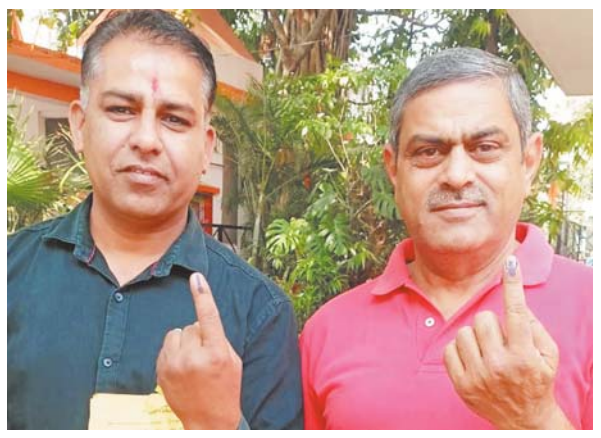

सबसे पहले वोट डालने वाली महिला मतदाता को कलेक्टर द्वारा बैच लगाया गया

वार्ड 64 की पार्षद छाया ठाकुर के साथ लेकसीटी बूथ पर

पाकिस्तान : किसका दोस्त किसका दुश्मन?

तनवीर जाफ़री

देश में लोकसभा चुनाव हों और पाकिस्तान की इंट्री न हो ऐसा बहुत कम ही देखा गया है। पाकिस्तान के चुनाव में भी प्रायः भारत विशेषकर कश्मीर का मुद्दा उठाया जाता है। दोनों जगह इसका मक़सद एक ही होता है कि जनता का ध्यान %कथित राष्ट्रवाद % में उलझाकर उसे रोज़गार,मंहगाई,शिक्षा,स्वास्थ्य तथा मूलभूत सुविधाओं के बारे में सोचने व चर्चा करने का मौक़ा ही न दिया जाये। इस बार स्वयं प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों में पाकिस्तान को ज़ोर शोर से याद किया है। दरअसल पाकिस्तान में इमरान ख़ान सरकार के एक पूर्व मंत्री रहे चौधरी फ़वाद हुसैन ने यह कह दिया कि पाकिस्तान को राहुल गांधी का समर्थन करना चाहिए क्योंकि मोदी सरकार की नीतियां पाकिस्तान के ख़िलाफ़ हैं । हालांकि फ़वाद उस हद तक भी नहीं गये जैसे कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका जाकर %अब की बार ट्रंप सरकार% का नारा तक लगवा दिया था। हालांकि चौधरी फ़वाद हुसैन के इस बयान पर राहुल गाँधी या कांग्रेस द्वारा कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गयी है। परन्तु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके इसी बयान को आधार बना कर बात का बतंगड़ खड़ा करने की कोशिश ज़रूर की है। वे चुनावी जनसभाओं में कहते फिर रहे हैं कि ÷पाकिस्तान 'कांग्रेस के शहज़ादे' को प्रधानमंत्री बनवाना चाहता है÷। मोदी कहते हैं कि 'कांग्रेस मरी, तो पाकिस्तान रोया'। अब पाकिस्तान दुआ कर रहा है। कांग्रेस के शाही परिवार के शहज़ादे को प्रधानमंत्री बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला हो रहा है।÷ प्रधानमंत्री मोदी का इशारा पाते ही पूरे देश में भाजपाई %सेनापति% राहुल और कांग्रेस पर हमलावर हो उठे हैं और कांग्रेस को पाकिस्तान परस्त बताने की पुरज़ोर कोशिश होने लगी है। ऐसे में कांग्रेस व भाजपा व उनके नेताओं के पाकिस्तान से रिश्तों का तुलनात्मक अध्ययन किया जाना बेहद ज़रूरी है।

ग़ौर तलब है कि भारत पाकिस्तान के मध्य अब तक चार युद्ध हुये हैं। इनमें पहला युद्ध आज़ादी के फ़ौरन बाद 1948 में लड़ा गया जिसका केंद्र कश्मीर था। उसके बाद 1965 में दूसरा युद्ध हुआ जबकि 1971 में वह तीसरा ऐतिहासिक युद्ध हुआ जिसने विश्व का भूगोल बदल दिया। इसी युद्ध में पाकिस्तान के दो टुकड़े हुए व बांग्लादेश नामक नये राष्ट्र का जन्म हुआ। यह तीनों ही युद्ध कांग्रेस के शासनकाल में लड़े गये। जबकि 1999 में एन डी ए के शासनकाल में अटल बिहारी वाजपई के प्रधानमंत्रित्व काल में ऑपरेशन विजय नामक कारगिल युद्ध, मई और जुलाई 1999 के बीच लड़ा गया। इस युद्ध में पाकिस्तान की सेना ने कश्मीरी उग्रवादियों के वेश में उनसे मिलकर नियंत्रण रेखा पार करने और भारत की ज़मीन पर कब्ज़ा करने का दुस्साहस किया था। उपरोक्त सभी युद्ध में पाकिस्तान को भारतीय सेना के हाथों मुंह की खानी पड़ी थी। परन्तु पाकिस्तानी सरकार विशेषकर पाक सेना को 1971 का वह युद्ध भुलाये नहीं भूलता जिसने न केवल पाकिस्तान का नक़्शा बिगाड़ दिया बल्कि इसी युद्ध में पाकिस्तानी सेना द्वारा भारतीय सेना के समक्ष विश्व का अब तक का सबसे बड़ा सैन्य आत्म समर्पण भी करना पड़ा था। अपनी उसी टीस को मिटने के लिये पाकिस्तान आज तक भारत विरोधी साज़िशें यहाँ तक कि भारत में आतंकवाद तक को प्रायोजित करता रहता है।

परन्तु इसी सन्दर्भ में भाजपा नेताओं विशेषकर स्वयं प्रधानमंत्री मोदी के पाकिस्तान के प्रति उदारतापूर्ण बर्ताव की बात करना भी ज़रूरी है। याद कीजिये जून, 2005 में भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी पाकिस्तान के संस्थापक नेता क़ायदे आज़म मोहम्मद अली जिन्ना की कराची स्थित मज़ार पर श्रद्धांजलि देने गये थे। उसी समय वे पाकिस्तान के प्रथम प्रधानमंत्री लियाक़त अली ख़ान की मज़ार पर भी श्रद्धांजलि देने गये थे। इस दौरान आडवाणी ने जिन्ना को धर्मनिरपेक्ष नेता बताते हुए कहा था कि वह एक अलग शख़्सियत थे तथा उन्होंने इतिहास बनाया था। उस समय संघ व भाजपा में तो आडवाणी के इस क़दम का विरोध ज़रूर हुआ था मगर कांग्रेस ने चुनाव में इसे मुद्दा कभी नहीं बनाया गया। उसके बाद मई 2014 में जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने उस समय उन्होंने दक्षेस देशों के प्रमुखों को अपने शपथ ग्रहण कार्यक्रम में आमंत्रित किया। इसमें पाकिस?तान के प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ भी भारत आए थे । उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शरीफ़ को उनकी मां के लिये एक शॉल भेंट किया था । शरीफ़ जब वह बेशक़ीमती शॉल लेकर पाकिस?तान पहुंचे तो उनकी बेटी मरियम शरीफ़ ने इस तोहफ़े के लिए मोदी का शुक्रिया अदा किया। मरियम ने ट्विटर पर लिखा, %मेरी दादी के लिए इतना बढ़िया शॉल गिफ़्ट करने के लिए आपको बहुत-बहुत धन?यवाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। मेरे पिता ने खुद अपने हाथों से यह तोहफ़ा दादी को दिया।% इस के फ़ौरन बाद जून 2014 के प्रथम सप्ताह में ही नवाज़ शरीफ़ ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के लिए तोहफे में %रिटर्न गिफ़्ट % के रूप में एक क़ीमती साड़ी भेजी। उस समय मोदी ने भी ट्वीट किया था -% कि नवाज़ शरीफ़ ने मेरी मां के लिए शानदार सफ़ेद साड़ी भेजी है। मैं उनका आभारी हूं। जल्द ही मैं साड़ी अपनी मां के पास भेज दूंगा।% और उसी दिन देर शाम तक शरीफ़ का ये क़ीमती तोहफ़ा मां हीराबेन तक पहुंच भी गया था । इस तोहफ़े के लिए नरेंद्र मोदी ने उस समय प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ का शुक्रिया भी अदा किया था।

नरेंद्र मोदी व शरीफ़ के बीच आत्मीयता के रिश्ते की यही एक कहानी नहीं। याद कीजिये 25 दिसंबर, 2015 को जब वो पहली बार नवाज़ शरीफ की पोती के निकाह में शामिल होने के लिये बिना किसी पूर्व घोषित कार्यक्रम के पाकिस्तान पहुंच गये थे।

कांग्रेस की दिशाहीनता एवं बढ़ता पलायन

– ललित गर्ग–

लोकसभा के चुनाव उग्र से उग्रतर होते जा रहे हैं, लोकतंत्र के महायज्ञ की 7 मई को आधी से ज्यादा आहुति पूरी होने वाली है, पहले चरण में 102 और दूसरे चरण में 88 सीटों पर मतदान हो चुका है। तीसरे चरण में 94 सीटों पर मतदान होने वाला है। इसके बाद 543 में से आधे से अधिक यानी 284 सीटों पर मतदान पूर्ण हो जाएगा। जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहे हैं, कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। भाजपा की ओर रुख करते नेताओं ने कांग्रेस की नींद उड़ा कर रख दी है। यह सिलसिला आगे भी जारी रहने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आक्रामक, तीक्ष्ण एवं तीखे आरोप लगाने वाली कांग्रेस पार्टी में लगातार हो रही टूट एवं पार्टी छोड़ने के कांग्रेसी नेताओं के सिलसिले को रोक नहीं पा रही है। इस बड़े संकट से बाहर निकलने का रास्ता कांग्रेस को नहीं सूझ रहा है। कांग्रेस के लिए लोकसभा चुनाव के दौरान सबसे बड़ा झटका इंदौर में लगा, जहां से पार्टी के उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने नामांकन वापसी के अंतिम दिन मैदान ही छोड़ दिया और वो भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' को खजुराहो में झटका लगा था, जहां आपसी समझौते के चलते यह सीट समाजवादी पार्टी को दी गई थी। समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार मीरा दीपक यादव का पर्चा निरस्त हो गया। इस तरह राज्य की 29 लोकसभा सीटों में से दो- खजुराहो और इंदौर ऐसी है जहां से कांग्रेस मुकाबले में ही नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा एवं दिल्ली के कांग्रेसी नेता अरविन्द सिंह लवली ने 'नाईसाफी' के कारण पार्टी से इस्तीफा दिया है। लवली तो अपने अन्य साथियों के साथ भाजपा में शामिल हो गये हैं। पुरी से कांग्रेस प्रत्याशी सुचारिता महंती ने यह कहते हुए टिकट लौटा दिया कि पार्टी चुनाव लड़ने के लिए धन नहीं दे रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके क्षेत्र में ओडिशा विधानसभा चुनावों के लिए कमजोर उम्मीदवार उतारे गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में राजनीतिक अपरिपक्वता, दिशाहीनता एवं निर्णय-क्षमता का अभाव है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कांग्रेस कई राज्यों में बेमन से चुनाव लड़ रही है।

आज के परिदृश्यों में कांग्रेस अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरी है। चुनाव प्रचार हो या उम्मीदवारों का चयन, राजनीतिक वायदें हो या चुनावी मुद्दें हर तरफ कांग्रेस कई विरोधाभासों से घिरी है। उसकी सारी नीतियों में, सारे

निर्णयों में, व्यवहार में, कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। यही कारण है कि उसकी राजनीति में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। उसका व्यवहार दोगला हो गया है। दोहरे मापदण्ड अपनाने से उसकी हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रही हैं। यही कारण है कि कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने या फिर चुनाव लड़ने से इन्कार करने का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। यह निर्णय क्षमता का अभाव ही है या हार का डर कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने क्रमशः अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय लेने में बड़ी कोताही बनती है। अब राहुल ने अमेठी में स्मृति ईरानी का सामना करने में स्वयं को अक्षम पाया तो रायबरेली से नामांकन पत्र दाखिल कर दिया और प्रियंका एक बार फिर चुनाव लड़ने से दूर ठिठक गईं। राहुल गांधी का अमेठी के बजाय रायबरेली से चुनाव लड़ना भी कांग्रेस की दिशाहीनता का सूचक है। यह हास्यास्पद है कि गांधी परिवार के करीबी एवं चाटुकार कांग्रेस नेता राहुल के अमेठी से चुनाव न लड़ने के फैसले को यह कहकर बड़ी राजनीति जीत बता रहे हैं कि पार्टी ने स्मृति इरानी का महत्व कम कर दिया। क्या सच यह नहीं कि कांग्रेस ने अमेठी से स्मृति इरानी की जीत सुनिश्चित करने का काम किया है?

राहुल गांधी का दो-दो सीटों से का चुनाव लड़ना भी यह दर्शाता है कि दोनों में से एक सीट पर तो वे जीत हासिल कर ही लेंगे। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 का सेक्शन 33 प्रत्याशियों को अधिकतम दो सीटों से चुनाव लड़ने की अनुमति भी देता है। देश में लोकतंत्र की जड़ें लगातार मजबूत हो रही हैं। ऐसे में नेताओं के एक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर विसंगतियां भी सामने आ रही हैं। विमर्श इस बात पर हो रहा है कि जब एक व्यक्ति को एक वोट का अधिकार है तो प्रत्याशी को दो सीटों पर चुनाव लड़ने की अनुमति क्यों होनी चाहिए? नेता अपने राजनीतिक हितों के लिए एक साथ दो सीटों पर चुनाव लड़ते हैं और दोनों सीटों पर चुनाव जीतने की स्थिति में अपनी सुविधानुसार एक सीट से इस्तीफा दे देते हैं। कानूनी रूप से उनके लिए ऐसा करना जरूरी भी है। फिर उस सीट पर उपचुनाव होता है। इसमें न सिर्फ करदाताओं का पैसा खर्च होता है बल्कि उस क्षेत्र के मतदाता भी ठगा हुआ महसूस करते हैं। इस बात की पड़ताल जरूरी है कि दो सीटों से चुनाव लड़कर राहुल गांधी भारतीय लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं या इस व्यवस्था से सिर्फ अपने राजनीतिक हित साध रहे हैं?

भले ही राहुल गांधी चुनाव प्रचार के दौरान बेहद आक्रामक दिख रहे हों, लेकिन वह अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश नहीं भर पा रहे हैं। इसका एक कारण गठबंधन के नाम पर अपने पुराने मजबूत गढ़ों में भी अपनी राजनीतिक जमीन छोड़ना है। यह कांग्रेस ही लगातार कमजोर होती राजनीति ही है कि वह जीत की संभावना वाली सीटों को भी महागठबंधन के अन्य दलों को दे रही है। ऐसे ही निर्णयों के चलते कांग्रेसजनों के लिए भी यह समझना कठिन है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी से समझौता करने से पार्टी को क्या हासिल होने वाला है? इस बार गांधी परिवार दिल्ली में उस आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों को बोट देगा, जिसने उसे रसातल में पहुंचाया। इस तरह के मामले केवल यही नहीं बताते कि कांग्रेस उपयुक्त प्रत्याशियों का चयन करने में नाकाम है, बल्कि यह भी इंगित करते हैं कि उसके पास अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने और अपने कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करने की कोई ठोस रणनीति नहीं है।

कांग्रेस की नीति एवं नियत भी संदेह के घेरों में हैं। क्या कारण है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान के नेता अब दुआ कर रहे हैं कि कांग्रेस का 'शहजादा' भारत का प्रधानमंत्री बने। दुश्मन राष्ट्र के नेता अगर किसी व्यक्ति या नेता के प्रधानमंत्री बनने की कामना करते हैं तो निश्चित ही उस देश का हित जुड़ा होता है। पड़ोसी देश भले ही राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहता हो लेकिन भारत की जनता अपने हितों की रक्षा करते हुए विवेकपूर्ण मतदान के लिये तत्पर है। भारत मजबूत प्रधानमंत्री वाला मजबूत देश चाहता है। नए भारत के 'सर्जिकल और एयर स्ट्राइक' ने उस पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया था जिसे कांग्रेस शासन के दौरान भारत पर आतंकी हमलों का समर्थन करने के लिए जाना जाता था। कांग्रेस ने बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं को नजरअंदाज करते हुए मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति की है, उसी का परिणाम है कि जिसने 500 वर्षों तक पीढ़ियों के संघर्ष के बाद बने प्रभु श्रीराम मंदिर के उद्घाटन समारोह एवं मन्दिर से कांग्रेस दूरी बनाये रखी है। जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के निर्णय का भी विरोध किया है, जबकि अब वहां आतंकवाद खत्म होकर शांति, अमन एवं विकास की गंगा प्रवहमान है। जनता ही नहीं, कांग्रेस के नेता भी कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की इन विसंगतियों एवं विडम्बनाओं को समझ रहे हैं और पार्टी से पलायन कर रहे हैं। मुगलों व अंग्रेजों की भाषा बोल रहे व हिंदू जनमानस व हिंदू संस्कृति के विरुद्ध जहर उगल रहे राहुल गांधी को पिछले दो लोकसभा चुनाव की तरह आगामी लोकसभा चुनाव में जनता क्या जबाव देती, यह भविष्य के गर्भ में हैं।

हिन्दू विवाह पर सर्वोच्च अदालत का स्वागतयोग्य फैसला

देश की सर्वोच्च अदालत ने हिन्दू विवाह को लेकर बड़ा फैसला देकर न केवल हिन्दू विवाह के संस्कारों एवं पारंपरिक रिवाजों को पुष्ट किया है बल्कि उन्हें कानूनी दृष्टि से आवश्यक स्वीकार किया है। आज जबकि हिन्दू विवाह की पवित्रता एवं परम्परा तथाकथित आधुनिक जीवन एवं प्रभाव के कारण धुंधली होती जा रही है, पाश्चात्य संस्कृति की आंधी में हिन्दू विवाह की पवित्रता समाज में समय के साथ घटी है और उसमें सुधार एवं सुदृढ़ता की जरूरत है। जो लोग विवाह को मात्र एक पंजीकरण मानते हैं, उन्हें चेत जाना चाहिए। उन्हें सात फेरों का अर्थ समझना होगा। बिना सात फेरों, हिन्दू रीति-रिवाजों एवं वैवाहिक आयोजनों के कोर्ट की दृष्टि में भी विवाह मान्य नहीं होगा। हिंदू विवाह पर कोर्ट का ताजा फैसला न केवल स्वागतयोग्य है बल्कि इसके दूरगामी परिणाम सुखद होंगे। इससे हिन्दू संस्कृति एवं संस्कारों को बल मिलेगा। पारिवारिक-संस्था को मजबूती मिलेगी।

हिंदू विवाह से जुड़ा यह फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शादी 'गाने और डांस', 'शराब पीने और खाने' का आयोजन या अनुचित दबाव डालकर दहेज और गिफ्ट्स की मांग करने का मौका नहीं है। विवाह कमर्शियल ट्रांजैक्शन नहीं है। यह एक गंभीर बुनियादी सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजन है, जिसे एक पुरुष और एक महिला के बीच संबंध बनाने के लिए मनाया जाता है, जो भविष्य में एक अच्छे परिवार के लिए पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त करते हैं। यह भारतीय हिन्दू समाज-व्यवस्था की एक बुनियादी इकाई एवं मजबूत सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयाम है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि बिना सात फेरों के हिन्दू विवाह को मान्यता नहीं मिल सकती है अर्थात शादी के लिए हिन्दू विवाह अधिनियम में जो नियम और प्रावधान बनाए गए हैं उसका पालन करना होगा। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी

आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है। अधिनियम के अनुसार, एक हिंदू विवाह किसी भी पक्ष के पारंपरिक संस्कारों और समारोहों के अनुसार संपन्न किया जाएगा। समारोहों में सप्तपदी (दूल्हा और दुल्हन द्वारा पवित्र अग्नि के चारों ओर संयुक्त रूप से सात कदम उठाना) शामिल है, और जब वे सातवां चरण एक साथ लेते हैं तो विवाह पूर्ण और बाध्यकारी हो जाता है। कुल मिलाकर हिन्दू विवाह एक संस्था है, संस्कार है और विवाह कोई व्यावसायिक लेन-देन नहीं है।

कोर्ट ने जोर दिया है कि हिंदू विवाह की वैधता के लिए सप्तपदी (पवित्र अग्नि के चारों ओर सात फेरे) जैसे उचित संस्कार और उससे जुड़े समारोह जरूरी है। विवाद की स्थिति में समारोह के प्रमाण पेश करना जरूरी है। कोर्ट की सात फेरों और उससे जुड़े समारोह का मूल्य समझाने की यह कोशिश हिन्दू विवाह को न केवल मजबूती प्रदान करेंगी बल्कि आधुनिकता की आंधी में धुंधलाते मूल्यों को नियंत्रित करने का काम करेगी। इसमें कोई शक नहीं कि विवाह संस्कार का मूल महत्व पहले की तुलना में कम हुआ है, अब विवाह बहुतों के लिए एक दिखावा, मजबूरी या समझौता भर रह गया है। न्यायमूर्ति बी नागरत्ना ने अपने प्रासंगिक एवं उपयोगी फैसले में बिल्कुल सही कहा है कि हिंदू विवाह एक संस्कार है, जिसे भारतीय समाज में एक महान मूल्य की संस्था के रूप में दर्जा दिया जाना चाहिए। पारंपरिक संस्कारों या सात फेरों जैसी रीतियों के बिना हुए विवाह को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 7 के अनुसार हिंदू विवाह नहीं माना जाएगा। इस वजह से कोर्ट ने युवा पुरुषों और महिलाओं से आग्रह किया हैं कि वो विवाह की संस्था में प्रवेश करने से पहले इसके बारे में गहराई से सोचें और भारतीय समाज में उक्त संस्था कितनी पवित्र है, इस पर विचार करें।

प्रश्न है कि हिन्दू विवाह को लेकर कोर्ट को जागरूक होने एवं हिन्दू संस्कारों को मजबूती देने की जरूरत क्यों पड़ी? हिन्दू विवाह से जुड़े संस्कारों एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों को लेकर अनेक मामले कोर्ट की चौखट पर आते रहे हैं, हर बार कोर्ट सजगता, दूरदर्शिता एवं विवेक से विवाह-संस्था से जुड़े मामलों पर अपना नजरिया प्रस्तुत करती रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पिछले दिनों यह माना कि हिंदू विवाह अधिनियम के अनुसार, हिंदू विवाह को संपन्न करने के लिए कन्यादान का समारोह जरूरी नहीं है। उस फैसले में भी सप्तपदी के महत्व को दर्शाया गया था। मध्यप्रदेश की एक परिवार अदालत के फैसले में महिला पक्ष को यह समझाया गया था कि सिंदूर लगाना एक विवाहित हिंदू महिला का धार्मिक कर्तव्य होता है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले में ऐसी ही समझाइश की कोशिश झलकती है। कुल मिलाकर, न्यायालय का संदेश यह है कि फिजूल के तमाशे-दिखावे से बचते हुए विवाह के मूल अर्थ को समझना चाहिए। हिंदू विवाह को लेकर अब ज्यादा स्पष्टता की जरूरत है और विशेषतः हिन्दू संस्कारों एवं संस्कृति को बल देने की भी। क्योंकि भारत में परिवार संस्था कायम है तो इसका कारण हिन्दू संस्कार एवं परम्पराएं ही हैं। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है। हिन्दू विवाह एक आदर्श परम्परा एवं संस्कार है। हिंदू धर्म में विवाह को सोलह संस्कारों में से एक संस्कार माना गया है। विवाह = वि .वाह, अतः इसका शाब्दिक अर्थ है - विशेष रूप से उत्तरदायित्व का वहन करना। पाणिग्रहण संस्कार को सामान्य रूप से हिंदू विवाह के नाम से जाना जाता है। अन्य धर्मों में विवाह पति और पत्नी के बीच एक प्रकार का करार होता है जिसे विशेष परिस्थितियों में तोड़ा भी जा सकता है परंतु हिंदू विवाह पति और पत्नी क बीच जन्म-जन्मांतरों का सम्बंध होता है जिसे किसी भी परिस्थिति में नहीं तोड़ा जा सकता। अग्नि के सात फेरे लेकर और ध्रूव तारा को साक्षी मान कर दो तन, मन तथा आत्मा एक पवित्र बंधन में बंध जाते हैं। यह दो परिवारों का भी मिलन है।

विश्व एथलेटिक्स दिवस- योग एक प्राचीन अभ्यास है जो मुद्रा और सांस लेने की तकनीक के माध्यम से अच्छे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है- योग गुरु महेश

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि विश्व एथलेटिक्स दिवस हर साल 7 मई को मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य खेल और व्यायाम के जरिए लोगों को बीमारियों से बचने और उनके स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करना है।

योग गुरु अग्रवाल ने एथलीटों के लिए योग अभ्यास के महत्व के बारे में बताया कि समर्पण, अभ्यास और खेल के प्रति प्रेम ने कई पेशेवर एथलीटों को उनके करियर के दौरान शिखर तक पहुँचाया है। आज भी, एथलीट घंटों अभ्यास करते हैं और अपने प्रदर्शन में सुधार करते हैं। हर दिन नए कीर्तिमान स्थापित किए जाते हैं । प्रत्येक नए रिकॉर्ड सेट का अर्थ है एथलीट पर शीर्ष स्थान प्राप्त करने या वहां अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए अधिक तनाव। एथलीट सबसे अधिक शारीरिक और मानसिक रूप से तनावपूर्ण पेशे में से एक हैं, जहां एक सेकंड के अंतर से भी बहुत कुछ बदल जाता है। इसके अलावा, हर खेल अपने जोखिम के साथ आता है, और एथलेटिक्स अलग नहीं है। पोल - वॉल्टर्स , स्प्रिंटर्स, भाला फेंकने वालों और अन्य सभी को हमेशा चोट लगने का खतरा रहता है जो उनके प्रदर्शन को बाधित कर सकता है।

योग एक प्राचीन अभ्यास है जो मुद्रा और सांस लेने की तकनीक के माध्यम से अच्छे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। आज योग का अभ्यास बड़ी संख्या में मशहूर हस्तियों, एथलीटों, व्यवसायियों और यहां तक कि आम लोगों द्वारा किया जाता है। कई अमेरिकी फुटबॉल और बास्केटबॉल टीमें अपने खिलाड़ियों को खेलों के दौरान होने वाली चोटों को कम करने के लिए योग का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। आपके योग सीखने में बिताए गए कुछ घंटे आपको अद्भुत सहनशक्ति निर्माण और शरीर को मजबूत करने वाली मुद्राओं से पूर्ण कर सकते हैं।

योग विभिन्न मुद्राओं में विश्राम करके और सांस लेने की तकनीक का अभ्यास करके शरीर और दिमाग को तरोताजा रखता है। लेकिन यह सिर्फ पहला कदम है। आप अपने प्रशिक्षण में ध्यान को शामिल कर अपनी क्षमताओं को और बढ़ा सकते हैं। सफलता और असफलता खिलाड़ी के जीवन का हिस्सा होते हैं। किसी भी असफलता को सुधारने और बढ़ने के अवसर के रूप में देखें। और इसी तरह किसी भी जीत को अपनी मेहनत और लगन के परिणाम के रूप में देखें। अभ्यास करते रहें और छोटी-छोटी असफलताओं पर ठोकर खाने पर भी आशा न खोएं। एक खुला दिमाग उतार-चढ़ाव को आसानी से स्वीकार कर सकता है और आमतौर पर मानसिक उथल-पुथल से बचा रहता है।

योग का नियमित अभ्यास अच्छा स्वास्थ्य, ताजा दिमाग और ट्रैक पर बेहतर परिणाम सुनिश्चित करेगा। किसी भी अन्य अभ्यास की तरह, योग के प्रभाव को प्रकट होने में समय लगता है। इसलिए उम्मीद न खोएं और अभ्यास करते रहें। समूहों में योग करना भी एक दूसरे को प्रेरित रखने और टीम भावना बनाने का एक और तरीका है। कठिन दिन के अभ्यास के बाद बेहतर आराम करने के लिए आप अपने योग सत्रों को संक्षिप्त ध्यान के साथ भी जोड़ सकते हैं। हमेशा याद रखें, अभ्यास मनुष्य को पूर्ण बनाता है। योगाभ्यास शरीर और दिमाग को विकसित करने में मदद करता है जिससे बहुत सारे स्वास्थ्य लाभ होते हैं। योग दीर्घकालिक एकजुटता सहनशक्ति और शारीरिक स्तर पर उच्च जीवन शक्ति के विकास में सहायता करता है।शारीरिक स्तर पर , योग शरीर के संतुलन और समरूपता को पुनर्स्थापित करता है , जिससे यह एथलेटिक्स का एक आदर्श पूरक बन जाता है। एथलीटों के लिए फेफड़े की क्षमता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उन्हें दौड़ने के सभी चरणों में लगातार सांस लेने के पैटर्न को बनाए रखने की अनुमति देता है। फेफड़ों की क्षमता में सुधार होने पर सिस्टम के माध्यम से अधिक ऑक्सीजन पंप की जाती है, जो लंबे और शक्तिशाली चलने के लिए फायदेमंद है। दूसरी ओर, दौड़ना और अन्य प्रकार की हृदय गतिविधि के लिए तेज़ और उथले साँस लेना और साँस छोड़ना आवश्यक है। केवल फेफड़ों के ऊपरी आधे हिस्से का उपयोग किया जाता है, जिससे बीच और नीचे के हिस्सों को बिना किसी बाधा के छोड़ दिया जाता है। योगिक श्वास में धीमी , गहरी श्वास और विस्तारित श्वास का उपयोग किया जाता है , जो ऊपरी , मध्य और निचले फेफड़ों का उपयोग करता है। फेफड़ों की क्षमता को बढ़ावा देने के लिए योगिक श्वास का प्रदर्शन किया गया है , जिससे धीरज और समग्र एथलेटिक प्रदर्शन में वृद्धि होती है। योग मानक खेल या फिटनेस पाठ्यक्रम की तुलना में विद्यार्थियों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए नए सीखने के अवसर खोलता है , जिससे यह किसी भी शैक्षिक कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक बन जाता है। योग , मानक शारीरिक शिक्षा के एक रूपांतर के रूप में , एक गुणवत्तापूर्ण शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम बनाने में सहायता के लिए स्कूल के पाठ्यक्रम में भी शामिल किया जा सकता है। खेलों में योग उतना ही महत्वपूर्ण है जितना अन्य लोग मानते हैं ; यह एक खिलाड़ी के जीवन में कई तरह से और विभिन्न स्तरों पर हमें लाभान्वित करता है। योग एक खिलाड़ी को मानसिक नियंत्रण और एकाग्रता विकसित करने में मदद कर सकता है , जिससे उन्हें मैदान पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। यह बच्चों और वयस्कों को शारीरिक व्यायाम में सफल होने का अवसर प्रदान करता है , जो जीवन के लिए एक मजबूत नींव के विकास में सहायता कर सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

शिवराज या प्रतापभानु को सांसद चुनने मतदान

विदिशा। लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण का मतदान आज मंगलवार को शुरू हो गया है। जिसमें विदिशा जिले के अंतर्गत आने वाली पांचों विधानसभाएं जो दो लोकसभा सीट विदिशा-रायसेन और सागर लोकसभा के अंतर्गत आती हैं, उसमें आज मतदान प्रारम्भ हो गया है। विदिशा-रायसेन संसदीय सीट में 19 लाख 45 हजार 404 मतदाता आज 13 प्रत्याशियों में से नए सांसद को चुनेंगे।

विदिशा-रायसेन संसदीय सीट प्रदेश ही नहीं देश की हाई प्रोफाइल सीट मानी जाती है। इस बार मुकाबला कड़ा होने के साथ 32 साल बाद दो प्रत्याशी फिर एक बार आमने-सामने हैं। भारतीय जनता पार्टी की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान जो इसी सीट से पांच बार सांसद रहे हैं, विदिशा विधानसभा से एक बार विधायक और इसी लोकसभा के अंतर्गत बुधनी से विधायक रहते हुए मुख्यमंत्री भी 18 साल तक रहे हैं। उनका मुकाबला कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रतापभानू शर्मा से है। इस सीट पर दो बार जीत हासिल करने का गौरव भी सिर्फ प्रतापभानू शर्मा को ही है। वे 1980 और 1984 में लगातार सांसद बने। इसके बाद के अगले तीन चुनाव वे हार गए। सन् 1991 में हुए चुनाव में भाजपा के राष्ट्रीय नेता और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के सामने भी उन्होंने चुनाव लड़ा था। जहां हार का सामना करना पड़ा। अटल बिहारी बाजपेयी द्वारा लखनऊ और विदिशा से एक साथ चुनाव लड़ने और विदिशा की सीट छोड़ने के बाद तत्कालीन बुधनी विधायक शिवराजसिंह चौहान को उप चुनाव में सन् 1992 में यहां से चुनाव लड़ाया गया था। उनके सामने भी प्रतापभानू शर्मा थे। इस चुनाव में भी प्रतापभानू शर्मा को हार मिली। सन् 1992 के बाद 32 साल के अंतराल पर प्रतापभानू शर्मा और शिवराजसिंह चौहान फिर एक बार आमने-सामने हैं।

सुरक्षा बल हुए तैनात

जाफरखेड़ी से सभी मतदान केन्द्रों पर मतदान दल को सुरक्षा के साथ रवाना किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर प्रशांत चौबे ने बताया कि जिले की पांचों विधानसभा में सभी 1341 मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पहले से चिन्हित अति संवेदनशील, संवेदनशील और सामान्य मतदान केन्द्रो पर सभी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने बताया कि सामान्य मतदान केंद्र पर जिला पुलिस बल का सशस्त्र गार्ड तैनात है । इसके अलावा संवेदनशील मतदान केन्द्रो पर एसएएफ के दो सशस्त्र जवान और पुलिस बल तैनात है । साथ-साथ अति संवेदनशील मतदान केन्द्रो पर पैरामिलिट्री फोर्स सशस्त्र रूप से वहां तैनात है । इसके अलावा सभी मतदान केन्द्रों पर स्पेशल पुलिस फोर्स भी तैनात है । सभी थाना क्षेत्र में 22 मोबाइल भी तैयार किए गए हैं। 138 सेक्टर मोबाइल भी तैनात हैं जो लगातार अपने आसपास के मतदान केंद्र पर भ्रमण कर निगरानी रखेंगे। उन्होंने बताया की आज पूरे विदिशा जिले में पूरी तरह शांतिपूर्ण मतदान कराए जाने की तैयारी की गई है।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने अनोखी पहल

वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए शहर की नेत्र विशेषज्ञ डॉ. रूपाली जैन ने एक नई पहल की है। इसके तहत मतदान करने के बाद सभी उम्र के मतदाता महिला पुरुष अपनी उंगली पर लगाई गई अमिट स्याही दिखाकर आंखों की निशुल्क जांच करा सकते हैं। शिविर में डॉ. रूपाली जैन और डॉ. पुरुषोत्तम पटेल आंखों की जांच करेंगे। इसके लिए सिविल लाइंस रोड एएसजी नेत्र निकेतन हास्पिटल में सिर्फ आज 7मई मंगलवार को विशाल नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया है जहां वोट देकर आए हुए महिला पुरुष मतदाता आंखों की निश्शुल्क जाँच एवं परामर्श निश्शुल्क ले सकते हैं।

2 हजार 384 मतदान केन्द्रों पर डाले जाएंगे वोट

विदिशा-रायसेन संसदीय सीट के अंतर्गत कुल 2 हजार 384 मतदान केन्द्र हैं। जिनमें सबसे ज्यादा मतदान केन्द्र बुधनी विस के अंतर्गत हैं। बुधनी में 363, सांची में 332, भोजपुर में 310, खातेगांव में 289, सिलवानी, विदिशा और इछावर में 276-276 मतदान केन्द्र हैं। गंजबासौदा में 262 मतदान केन्द्र हैं । जहां पर मतदान किया जाना है।

वहीं मतदाताओं की बात करें तो सबसे ज्यादा मतदाता बुधनी विस में हैं। यहां 2 लाख 77 हजार 172, भोजपुर में 2 लाख 61 हजार 952, सांची में 2 लाख 69 हजार 520, सिलवानी में 2 लाख 30 हजार 69, विदिशा में 2 लाख 28 हजार 674, बासौदा 2 लाख 13 हजार 894 और इछावर में 2 लाख 27 हजार 372, खातेगांव में 2 लाख 36 हजार 751 मतदाता हैं। आठों विस में कुल 44 मतदाता अन्य मतदाताओं में शामिल हैं। 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या पूरी लोकसभा में एक हजार 227 है।

मतदान दल तैयार

आज होने वाले मतदान के लिए बीते सोमवार को ही मतदान सामग्री और मतदान दलों के मतदान केन्द्रों तक भेजने का काम प्रारंभ हो गया था । सोमबार सुबह से ही सामग्री वितरण केंद्रो पर सभी मतदान कर्मचारी पहुंच चुके थे और उन्हें सामग्री का वितरण प्रारंभ हो गया था। कलेक्टर और एसपी भी मौके पर थे। पूरी प्रक्रिया पर बारीकी से निगाह रखी जा रही थी। विदिशा और शमशाबाद विधानसभा में मतदान दल जाफरखेड़ी स्थित आदर्श महाविद्यालय से रवाना किये गए जबकि गंजबासौदा, कुरवाई और सिरोंज में तहसील मुख्यालय से सामग्री वितरित की गई है। कलेक्टर ने बताया कि सभी मतदान केन्द्रो पर सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। साथ-साथ वितरण स्थल पर भी छाया, पानी आदि की व्यवस्था की गई है। वहीं एसपी ने बताया कि मतदान दल के साथ सुरक्षा वालों को भी रवाना किया गया है।

मतदाताओं से मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान करने की अपील की

औबेदुल्लागंज संवाददाता -कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद दुबे, पुलिस अधीक्षक विकास शहवाल तथा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने लोकसभा क्षेत्र 18-विदिशा में शामिल रायसेन जिले की सांची विधानसभा के मतदान केन्द्र क्रमांक-123 शास. एकीकृत हाईस्कूल भवन कलेक्ट्रेट कॉलोनी वार्ड नम्बर-04 पहुंचकर मतदान किया। उन्होंने जिले की तीनों विधानसभाओं सांची, सिलवानी तथा भोजपुर क्षेत्र के सभी मतदाताओं से मतदान केन्द्र पहुंचकर मतदान करने की अपील की है।

गेंहू से भरा रहस्मयरूप चोरी ट्रक पुलिस ने बरामद किया

नर्मदापुरम -कृषि उपज मंडी खेड़ा क्षेत्र से रहस्मयरूप से चोरी हुआ गेंहू से भरा ट्रक सिटी पुलिस ने कड़ी मेहनत के बाद बरामद कर लिया है।ट्रक सीहोर जिले के शाहगंज भोपाल रोड के किनारे खटपुरा जंगल में घाट से बरामद किया है।ट्रक 3 मई की रात्रि में चोरी हुआ था।पुलिस ने ट्रक चोरी होने की घटना को चुनोती मानते हुये 3 दिनों में ट्रक को तलाश लिया।जिला पुलिस कप्तान डॉक्टर गुरुकरन सिंह के निर्देश पर एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में सिटी पुलिस ने ट्रक को तलाश शुरू की।इस सबंध में टीआई गौरव सिंह बुंदेला ने बताया कि ट्रक गोयल ट्रांसपोर्ट कंपनी का है।जिसमे 25 टन गेंहू भरा हुआ था।गेंहू सरकारी था।जिसकी कीमत 6 लाख रुपये थी।तथा ट्रक 16 लाख रुपये का है।ट्रक चोरी होने की सूचना मिलते ही तीन टीम बनाई गई।जिसमें अनुभवी अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल किए । टीम लगातार सीहोर,भोपाल,के साथ अन्य जिलों में ट्रक की खोज-बीन में लगी थी, जहाँ टीम को बड़ी सफलता मिली।गेंहू से भरा चोरी हुआं ट्रक सीहोर जिले के शाहगंज भोपाल रोड किनारे गांव खटपुरा के घाट में लावारिस हालत में बरामद किया है।इस मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है। आरोपी कोन है कितने है इस संबंध पुलिस अभी जानकारी नहीं जुटा पाई है, पुलिस टीम चोर की तलाश में लगी हुई है। ट्रक की खोजबीन करने में महत्वपूर्ण भूमिका टीआई गौरव सिंह बुंदेला के कुशल नेतृव्य में अनुभवी एसआई राधेश्याम पंवार, प्रधान आरक्षक हेमंत तिवारी,भागवेन्द्र, अशोक चौहान,भूपेंद्र मिश्रा,प्रदीप चौधरी,आरक्षक हरीश डिगरसे, अविनासी,राजेश पंवार,सायबर सेल अभिषेक नरवरिया ,जितेंद्र सेजकर, तुलसी,शकीर खानएवं अमित राय की रही।

ब्राह्मण परिषद द्वारा 10 को भगवान परशुराम जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्स के साथ मनाया जाएगा

बैरसिया।। भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का जन्मोत्सव 10 मई को सर्व ब्राह्मण परिषद बैरसिया के तत्वाधान में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।समारोह के तहत 10 मई को सुबह 9 बजे शौर्य यात्रा निकाली जाएगी।जिसमें ब्राह्मणों के साथ नगर के गणमान्य नागरिक भी शामिल होंगे।बैंड बाजो के साथ शौर्य यात्रा स्थानीय सांवलिया मंदिर से प्रारम्भ होकर नगर के मुख्य मार्ग चौपड़ बाजार बाल विहार शेरपुरा बस स्टैंड चौराहा से होती हुई सहज विहार कालोनी स्तिथ भगवान परशुराम मंदिर पहुंचेगी। परशुराम मंदिर में भगवान परशुराम की विशेष पूजा अर्चना महा आरती प्रसादी वितरण के साथ संपन्न होगी। सर्व ब्राह्मण परिषद बैरसिया के अध्यक्ष पंडित रविशंकर शर्मा सर्व ब्राह्मण महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती शीला ओमप्रकाश शर्मा एवं परशुराम सेना के अध्यक्ष पंडित शुभम तिवारी ने बैरसिया विधानसभा क्षेत्र के ब्राह्मणों से अपील की है कि 10 मई को भगवान परशुराम के जन्मोत्सव कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाए।

महालक्ष्मी मंदिर में 12 मई को लगेगा नि:शुल्क नेत्र शिविर

छतरपुर। नगर के सिद्धपीठ सरानी दरवाजा बाहर स्थित माँ महालक्ष्मी मंदिर में नगर अग्रवाल समाज द्वारा 12 मई को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन नीरज अग्रवाल एवं पवन अग्रवाल ईशानगर वाले द्वारा मां सोना देवी अग्रवाल एवं पिता रामस्वरूप अग्रवाल (गोपी दाऊ) की स्मृति में किया जाएगा। जिला अग्रवाल समाज के मीडिया प्रभारी रामकिशोर अग्रवाल ने बताया कि शिविर में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा नेत्र रोग से पीड़ित मरीजों का निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया जाएगा एवं उन्हें चश्मा और दवा भी वितरित की जाएगी। परीक्षण के उपरांत मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों को चिन्हित कर उसी दिन अपने वाहन से ऑपरेशन हेतु चित्रकूट ले जाया जाएगा। मरीजों को चित्रकूट जाने व वापस आने एवं भोजन व ठहरने की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी। इसके साथ ही शिविर में भी खिचड़ी प्रसाद और भोजन की व्यवस्था रहेगी। मरीजों को शिविर में आधारकार्ड या फोटोकॉपी लाना अनिवार्य है। नगर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने आँखों के मरीजों से अधिक से अधिक संख्या में आकर शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

शत-प्रतिशत रहा इंजीनियरिंग कॉलेज का परीक्षा परिणाम

छतरपुर। पंडित देव प्रभाकर शास्त्री इंजीनियरिंग कॉलेज छतरपुर के अंतिम वर्ष के सभी विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। संस्थान के प्राचार्य डॉ. जे. सोनी के अनुसार सिविल ब्रांच के छात्र प्रमोद यादव ने 9.17 एसजीपीए के साथ बाजी मारी। दूसरे स्थान पर 8.75 एसजीपीए के साथ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी की छात्रा पलक जैन रहीं जबकि मैक्निकल ब्रांच के छात्र कैलाश कुशवाहा 8.54 एसजीपीए के साथ तृतीय स्थान पर रहे। वही कम्प्यूटर साइंस ब्रांच की छात्रा सृष्टि राठौर 8.46 एसजीपीए, इलेक्ट्रिकल ब्रांच की छात्रा शहिस्ता खानम 7.88 एसजीपीए एवं इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन ब्रांच के छात्र दिलीप तिवारी ने 7.79 एसजीपीए प्राप्त किए।

बोरवेल एवं ट्यूबवेल के गड्ढे खुले ना छोड़े एवं किसानों को गेहूं उपार्जन का भुगतान समय पर हो: कलेक्टर

नर्मदापुरम// जिले में कहीं भी बोरवेल एवं ट्यूबवेल के गड़ढे खुले ना रखे , गड्ढे खुले रहने पर कभी भी आकस्मिक रूप से गड्ढे में किसी के भी गिरने से दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। उक्त निर्देश कलेक्टर सोनिया मीना ने समय सीमा की बैठक में दिए। कलेक्टर ने पीएचई, सभी नगर पालिका अधिकारियों एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपने क्षेत्र के गांव एवं नगर में यह सुनिश्चित करें कि कहीं पर भी खेत में या अन्य स्थान पर लोगों ने बोरवेल एवं ट्यूबवेल खनन कर गड्ढे खुले तो छोड़ नहीं दिए । कलेक्टर ने निर्देश दिए की सभी संबंधित अधिकारी एक सप्ताह के अंदर सर्वे कराकर अपने रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंपें और संयुक्त रूप से इस आशय का प्रमाण पत्र देंगे कि उनके अधिकृत क्षेत्र में कहीं भी गड्ढे खुले नहीं है।

बताया गया कि वर्तमान में सीएम हेल्पलाइन में भी यह ऐंड हो चुका है कि यदि कहीं पर भी ट्यूबवेल या बोरवेल के गड्ढे खुले हो तो कोई भी व्यक्ति यहाँ पर अपनी शिकायत कर सकता है। शिकायत करने पर संबंधित विभाग द्वारा तत्काल निराकरण भी किया जाएगा।

गेहूं उत्पादन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की गेहूं का जितना उठाव हो रहा है उतना ही परिवहन भी होता रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों को गेहूं उपार्जन का भुगतान समय पर होता रहे। कलेक्टर ने कहा कि जितने भी जांच वाले वेयरहाउस हैं उनकी नास्ति अभिलंब प्रस्तुत की जाए।

कलेक्टर ने सभी एसडीएम एवं तहसीलदार को निर्देश दिए की वे उन विस्थापित गांव जहां किसानों का पंजीयन नहीं हुआ है और वे किसी कारणवश गेहूं उपार्जन से वंचित है उन सब का आधार नंबर, बैंक अकाउंट का पंजीकरण प्राथमिकता से करके उन्हें इसी माह गेहूं उपार्जन का लाभ दिया जाए एवं विस्थापित ग्राम नया धाई में भी सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर डीके सिंह, एसडीएम श्रीमती नीता कोरी, डिप्टी कलेक्टर अनिल जैन, सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

लोकसभा 2024 के तीसरे चरण के लिए मतदान जारी

ओबेदुल्लागंज - संवाददाता -विदिशा संसदीय क्षेत्र के भोजपुर विधानसभा के औबेदुल्लागंज में मतदान के निर्धारित समय सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ... सुबह 7 बजे से ही मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया मतदान क्रमांक 124 को बनाया गया आदर्श मतदान केंद्र पिंक थीम में बनाया गया मतदान केंद्र, मतदान केंद्र पर मतदाताओं की सुविधा के लिए किये गए खास इंतजाम सुबह नो बजे तक 22 प्रतिशत मतदान हुआ मतदान। औबेदुल्लागंज में बना पिंक आदर्श मतदान केंद्र पर वोटिंग शुरू होते ही दिखा उत्साह..

नाबालिगों की शादी नहीं करें, बाल विवाह होने की 1098 या डायल 100 पर दें सूचना

छतरपुर। जिला प्रशासन छतरपुर द्वारा जिले के लोगों से 10 मई 2024 अक्षय तृतीया एवं विशेष तिथियों पर होने वाले विवाह में बाल विवाह नहीं करने की अपील की है। लोगों से अपील की गई है कि बाल विवाह होने की सूचना निकटतम थाने सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, टोल-फ्री नम्बर पर दें।जिला महिला बाल विकास अधिकारी राजीव सिंह ने लाडो अभियान के तहत बाल विवाह को रोकने के लिये सामूहिक विवाह करवाने वाले आयोजकों, प्रिंटिग प्रेस ऑनर्स, हलवाई, सामाजिक धर्म गुरूओं, मैरिज हाउस के मालिकों से अपील की है कि वैवाहिक पत्रिका में स्पष्ट रूप से उल्लेख करें कि वर-बधु बालिक है। आयु प्रमाण के लिये स्कूल की अंकसूची, जन्म प्रमाण पत्र एवं आंगनवाड़ी केन्द्र के रिकार्ड से मिलान करे। बाल विवाह रोकने के लिये महिला बाल विकास कार्यालय में जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। जिसका दूरभाष क्र. 07682-243590, मोबाइल नम्बर 8516841808 सहित कॉल सेंटर दूरभाष नम्बर 07682-181 चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर 1098 के अलावा डायल 100 पर भी सूचना दी जा सकेगी। राजनगर में रजनी शुक्ला के मोबाइल नम्बर 9343219162, बिजावर के लिए राजकुमार बागरी 7389856220, बक्स्वाहा हेमलता सिंह 8269722375, ईशानगर के लिए अनिल नामदेव 9406904121, गौरीहार श्रीमती राखी सिंह 9981598284, लवकुशनगर नसीर छीपा 9584913805, नौगांव के लिए श्रीमती नेहा जैन 7974116644 और बड़ामलहरा, छतरपुर शहर हेतु विक्रम सिंह के मोबाइल नंबर 9165848289 पर बाल विवाह संबंधी सूचना दी जा सकती है।

निजी वाहनों में शासन की चादर ढॉककर कर रहे खुलेआम टैक्स चोरी

शासन-प्रशासन द्वारा बगैर टैक्सी परमिट वाहनों को किया जा रहा अधिग्रहण

मण्डला/अजीत पटेल--आचार संहिता लागू होते ही शासन-प्रशासन एवं कानून व्यवस्था सख्त हो जाती है। आचार संहिता में किसी भी प्रकार की अपराध, लापरवाही पर पैनी नजर रखी जाती है, परन्तु जिले में कानून व्यवस्था एवं शासन-प्रशासन की ढीली-ढाली व्यवस्था किसी से छिपी नहीं है। परिवहन विभाग द्वारा जहां एक तरफ वाहनों के कागजात चेकिंग अभियान को लेकर आये दिन जांच किया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ लोकसभा चुनाव को लेकर जगह-जगह चेक पोस्ट लगाए गए हैं बावजूद इसके जिम्मेदारों की लापरवाही स्पष्ट नजर आ रही है परिवहन विभाग टैक्सी परमिट वाहनों और निजी वाहनों में टैक्स शुल्क में अंतर रखकर टैक्स वसूल रही है नतीजा मनमानी राज, निजी वाहनों को भी अधिग्रहित कर शासकीय सेवा में उपयोग किया जा रहा है।अब सवाल यह उठता है कि जब निजी वाहनों को शासकीय सेवा में उपयोग किया जाना है तो टैक्सी परमिट वाहन की उपयोगिता किस बात की है, , वहीं यातायात विभाग द्वारा यातायात व्यवस्था और वाहनों के कागजात के नाम पर मोटी मोटी राशि का चालानी कार्रवाई कर यातायात व्यवस्था का हवाला दिया जाता है।व्यापार-व्यवसाय पर कर वसूली के नाम पर टीडीएस-जीएसटी नाम के बिलों के नाम पर शासन द्वारा टैक्स वसूल किया जा रहा है, और तो और वाहनों को भी अधिग्रहित करने पर टैक्सी परमिट और निजी वाहनों की टैक्स शुल्क में भिन्नता रखी गई है ताकि वाहनों के व्यापार-व्यवसाय में शासन-प्रशासन द्वारा टैक्स शुल्क वसूल किया जा सके, परन्तु जिम्मेदारों ने इसे निजी-व्यक्तिगत व्यापार बना लिया है और निजी वाहनों मे शासन की चादर ढॉककर अवैध व्यापार किया जा रहा है जिसमें विभागीय अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल हैं, जिले के लगभग समस्त विभागों में जिम्मेदारों द्वारा जानबूझकर अपने रिश्तेदारों-यारों को लाभ देने तथा जिम्मेदारों की निजी हिस्सेदारी के चलते नियम विरुद्ध हेतु यह योजना चलाई जा रही है जिसके चलते शासन की नियमावली के विरुद्ध में बगैर टैक्सी परमिट के वाहनों को शासकीय सेवा कार्य में शासकीय विभागों तथा मध्य प्रदेश शासन भारत सरकार जैसे बड़े बड़े बोर्ड लगाकर वाहनों को फर्जी तरीके से अधिग्रहित कर टोल टैक्स, शासकीय कार्य में उपयोगिता एवं शासन-प्रशासन द्वारा शासकीय विभागों में खुलेआम व्यापार किया जा रहा है।शासकीय नियमावली अंतर्गत टैक्सी परमिट वाहनों को शासकीय सेवा में अधिग्रहित किया जाना है जिसमें शासन-प्रशासन की नियमावली अंतर्गत वाहनों को अधिग्रहित कर एक निश्चित धरोहर राशि विभाग को जमा कर वाहन मालिक एवं चालक द्वारा विभाग एवं शासन-प्रशासन की गोपनीयता सुरक्षा की जिम्मेदारी निश्चित कर वाहनों को शासकीय कार्य हेतु शासकीय विभागों को उपयोगिता निश्चित की जाएगी,परन्तु जिम्मेदारों द्वारा अपनी निजी कमाई के चलते दिनों-दिन शासकीय नियमावली की धज्जियां उड़ाई जा रही है तथा निजी वाहनों, कारों को शासकीय सेवा में नियम विरुद्ध अधिग्रहित कर परिवहन शुल्क की चोरी के साथ-साथ शासकीय गोपनीयता भंग की जा रही है।

नरवाई जलाने से लाभदायक सूक्ष्म जीव जलकर नष्ट हो जाते है मृदा सक्त एवं कठोर होकर बंजर हो जाती है-कृषि वैज्ञानिक डॉं मनोज अहिरवार

प्रशिक्षण सह नरवाई प्रबंधन कार्यक्रम किसानों को दी गई अहम जानकारियां, मशीनों (बेलर, रेकर, चौपर) के द्वारा नरवाई से बंडल प्रदर्शन कर दिखाया गया कैसे बनेगा भूसा

दमोह -कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत जिले में नरवाई में आग लगाने की घटनाओ पर प्रभावी नियंत्रण तथा कृषकों को जागरूक करने के उद्देश्य से विकासखण्ड वार कृषक प्रशिक्षण सह नरवाई प्रबंधन कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इस सबंध में उप संचालक कृषि जितेन्द्र सिंह राजपूत ने बताया आज विकासखण्ड दमोह के ग्राम इमलिया घाट में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र दमोह डॉ मनोज अहिरवार ने कृषकों से परिचर्चा करते हुये नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान जैसे लाभदायक सूक्ष्म जीव जलकर नष्ट हो जाते है, मृदा में उपस्थित जैविक कार्बन नष्ट हो जाता है तथा मृदा सक्त एवं कठोर होकर बंजर हो जाती है साथ ही वातावरण पर बुरा प्रभाव पड़ता है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग जैसे समस्याएं उत्पन्न? हो रही है। उन्होंने कहा किसान बंधुओं को फसल अवशेष/नरवाई किसी भी स्थिति में नहीं जलाना चाहिए। नरवाई प्रबंधन हेतु अत्याधुनिक मशीनों (बेलर, रेकर, चौपर) के द्वारा नरवाई से बंडल प्रदर्शन किया गया एवं मशीन से भूसा बनाया जा सकता है, बताया जा रहा हैं।

उप संचालक कृषि जितेन्द्र राजपूत ने कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट दमोह के द्वारा जारी दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के बारे में कृषकों को बताया गया। यदि कृषक बंधु नरवाई या फसल अवशेष जलाते है तो निर्देशों का उल्लंघन किये जाने पर व्यक्ति/निकाय को नोटिफिकेशन प्रावधानानुसार पर्यावरण क्षति पूर्ति राशि देय होगी। इसी प्रकार कृषक जिनके पास 2 एकड़ से कम जमीन है उन्हें 2500 रूपये प्रति घटना पर्यावरण क्षति पूर्ति अर्थदण्ड देय होगा। कृषक जिनके पास 2 एकड़ से अधिक एवं 5 एकड़ से कम जमीन है उन्हें 5000 रूपये प्रति घटना पर्यावरण क्षति पूर्ति अर्थदण्ड देय होगा। इसी प्रकार कृषक जिनके पास 5 एकड़ से अधिक जमीन है उन्हें 15000 रूपये प्रति घटना पर्यावरण क्षति पूर्ति अर्थदण्ड देय होगा।

नरवाई में आग लगाते है तो भूमि की उर्वरा शक्ति एवं पोषकहोती है तत्वों को हानि सहायक मृदा सर्वेक्षण अधिकारी दमोह एस.एल. कुर्मी ने बताया जब नरवाई जलाने वाले स्थल एवं नरवाई न जलाने वाले स्थल के पृथक-पृथक सेम्पल लिये गये जिनके परीक्षण में पाया गया कि, नरवाई जलाने वाले स्थल से नरवाई न जलाये जाने वाले स्थल की मिट्टी में पोषक तत्व अधिक पाये गये। इससे स्पष्ट होता है कि, यदि हम नरवाई में आग लगाते है तो भूमि की उर्वरा शक्ति एवं पोषक तत्वों को हानि होती है।

कृषि अभियांत्रिकी से शहला नाज कुरैशी ने बताया प्लाऊ, हेप्पी सीडर, स्ट्राथरीपर, श्रेडर, बेलर, रीपर कम बाईडर, सुपर सीडर एवं जीरो टिलेज सीड ड्रिल पद्धति का उपयोग कर नरवाई को बिना जलाये प्रबंधन किया जा सकता है। दीपक शुक्ला द्वारा नरवाई प्रबंधन मशीनों की तकनीकी जानकारी तथा प्रदर्शन कराया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी दमोह आर.के. जैन, तकनीकी सहायक राघवेन्द्र भारद्वाज, बी.टी.एम. (आत्मा) शैलेन्द्र पौराणिक एवं कृषकों की उपस्थिति रहीं।

08 मई 2024 को पथरिया में

आगामी कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 08 मई 2024 को पथरिया, 09 मई 2024 को बटियागढ़ के ग्राम सिहेरा, 11 मई 2024 को हटा के ग्राम मुहरई, 13 मई 2024 को पटेरा के ग्राम देवरी रतन, 14 मई 2024 को जबेरा के ग्राम सिग्रामपुर तथा 15 मई 2024 को तेन्दूखेड़ा के ग्राम हरई पांजी में आयोजित किये जायेगें, जिसमें कृषक बंधुओं से अपील है कि अधिक से अधिक मात्रा में उपस्थित होकर नरवाई प्रबंधन के बारे में जानकारी प्राप्त करें।

IAS Mohd Suleman ji, Smt &Shri Manoj Shrivastava ji

CEC Smt & Shri Anupam Rajan ji vote and lucky draw part liya

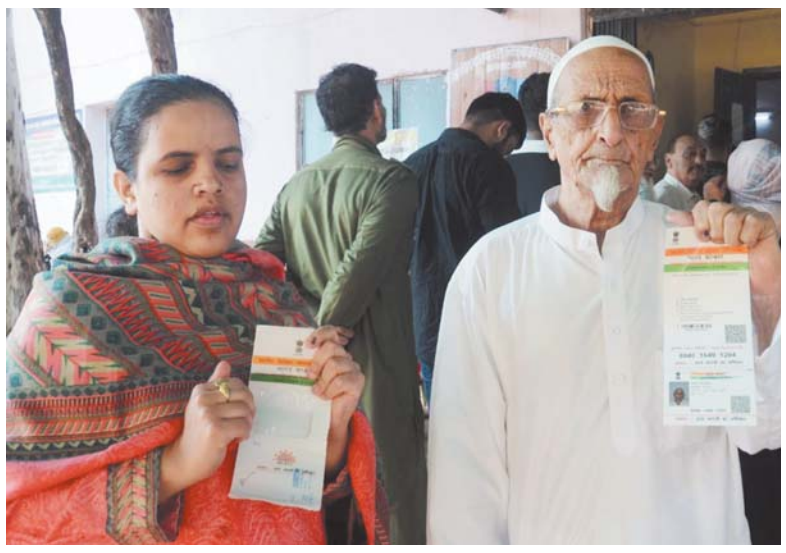

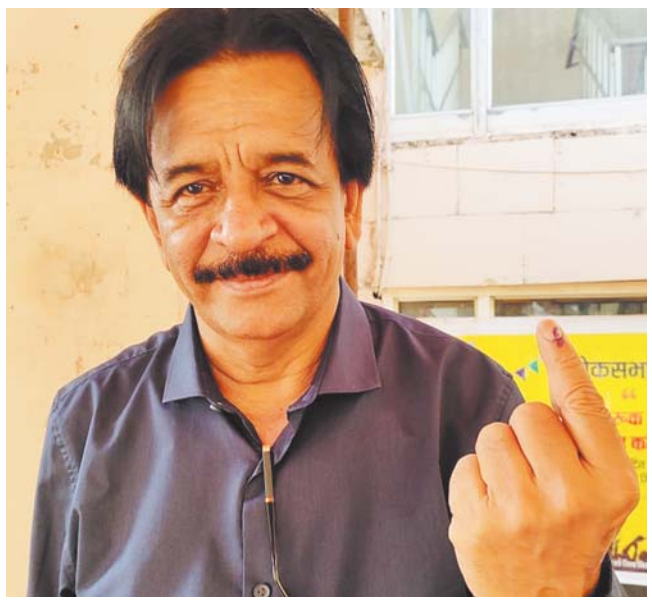

शहीद विक्की पहाड़े की अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

गार्ड ऑफ ऑनर से दी अंतिम विदाई, मुख्यमंत्री ने शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की, 5 साल के बेटे ने दी मुखाग्नि

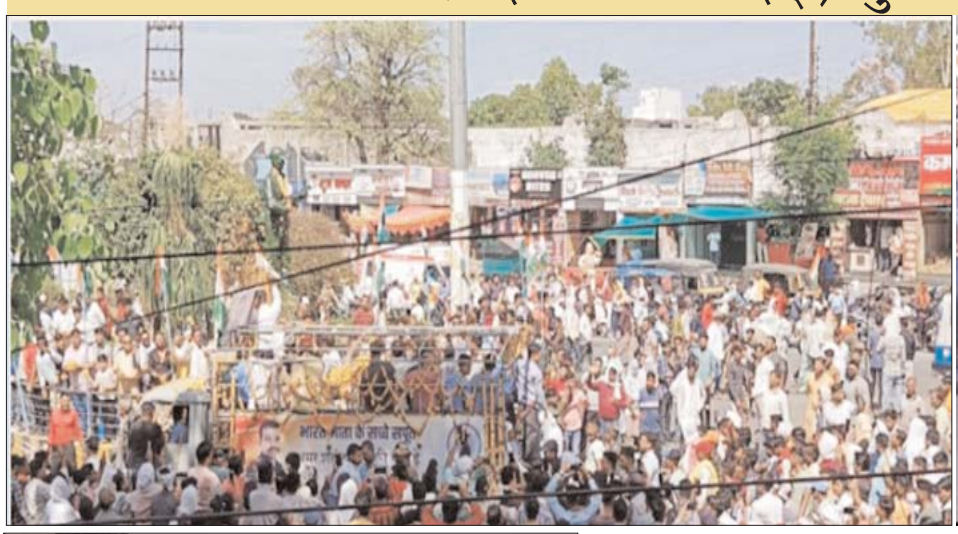

छिंदवाड़ा। जम्मू कश्मीर के पुंछ में आतंकी हमले में शहीद हुए एयरफोर्स के जवान विक्की पहाड़े का अंतिम संस्कार छिंदवाड़ा के पातालेश्वर मोक्षधाम में किया गया। मुखाग्नि शहीद के 5 साल के बेटे हार्दिक ने दी। इससे पहले एयरफोर्स ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव शहीद विक्की पहाड़े को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए छिंदवाड़ा पहुंचे जहां उन्होंने परिवार के सदस्यों से बात की। शहीद की अंतिम यात्रा में शहर के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके अंतिम यात्रा पर सभी की आंखें नम थी।

अंतिम यात्रा के दौरान भारत माता की जय, वीर जवान अमर रहे के नारे लगे. इस मौके पर सड़क के दोनों और आम जनता ने अमर शहीद विक्की पहाडे को अंतिम विदाई दी लोग उनके दर्शन के लिए अपने घरो की छतों पर खड़े हुए थे वहीं हजारों की संख्या में उनकी यात्रा में शामिल हुए।

विगत 4 मई को जम्मू कश्मीर के पूंछ सेक्टर में भारतीय वायुसेना के काफिले पर हुए आतंकी हमले में वायुसेना के पांच जवान घायल हुए थे जिनको सेना के हेलीकाप्टर से उधमपुर आर्मी हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था, जहा देर रात तक एक जवान विक्की पहाड़े जो की मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा के रहने वाले थे जो की बुरी तरह से जख्मी थे उन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया । आतंकियों ने वायुसेना के काफिले पर स्टील बुलेट से हमला किया था । पूरी वायुसेना और देश को उनके शौर्य और पराक्रम पर गर्व है , शहीद जवान पहाड़े अपने पीछे एक 5 वर्षीय पुत्र और पत्नी समेत अपने परिवार जन को छोड़ गए , पहाड़े घर के इकलौते पुत्र और थे जिनकी 3 बहने भी है ।

एक करोड़ की सहायता राशी मिलेगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परिवार को एक करोड़ रूपए सहायता देने की बात कही। उन्होने कहा कि राज्य सरकार प्रस्ताव को मंजूरी के लिए चुनाव आयोग को भेजेगी पति की शहादत पर पत्नी रीना ने कहा कि मुझे गर्व है वे 5 साल के बेटे को गोद में लिए हुए थी। सब इंस्पेक्टर बहन गीता ने कहा उन्हे भाई पर गर्व है।

इन रास्तों से निकली अंतिम यात्रा

अंतिम यात्रा परासिया नाका, सत्कार तिराहा, जेल तिराहा, अमित ठेंगे मार्ग से जेल तिराहा, फव्वारा चौक गोलगंज, छोटी बाजार, पुराना पावर हाउस खिरका मोहल्ला, दुर्गा माता मंदिर होते हुए पतालेश्वर धाम पहुंची यात्रा के दौरान जगह जगह शहीद को श्रद्वासुमन अर्पित किए गए।

कलेक्टर, एसपी सहित अधिकारियों ने दी श्रद्वांजलि

सुबह 11 बजे वायुसेना के विशेष विमान से शहीद का शव लेकर जैसे ही इमलीखेड़ा एयर स्ट्रिप पहुंचा उसे दौरान कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह , एसपी मनीष खत्रीश एएसपी अवदेश प्रताप सिंह, एसडीएम सुधीर जैन समेत अन्य अधिकारियों ने श्रद्वांजलि अर्पित की।

पूर्वमंत्री पहुंचे शहीद के घर

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री चौधरी चन्द्रभान सिंह और परासिया के पूर्व विधायक ताराचंद बावरिया शहीद विक्की पहाड़े के परिवार से मिलने उनके घर पहुंचे।

आज मनाई जायेगी श्री संत शिरोमणि नंदा सेन जयंती

परासिया। सेन समाज की सामाजिक मासिक बैठक समाज के वरिष्ठ एवं सामाजिक बन्धुओ की उपस्थिति में संपन्न हुई।जिसमें जिनकी जो समस्या समाज में आवेदन के माध्यम से प्राप्त हुई उसका निराकरण एवं सेन जयंती के आयोजन पर समिति द्वारा विचार किया गया। और समिति एवं परासिया के सामाजिक बन्धुओ का निर्णय है कि इस बार सेन जयंती आज सेन मंदिर प्रांगण में बड़े ही धूमधाम से उत्सव व श्रद्धा भाव के साथ आराध्य श्री संत शिरोमणि नंदा सेन जी महाराज की जयंती मनाई जायेंगी एवं सेन चरित्र की जानकारी बुद्धिजीवी सामाजिक बंधुओं द्वारा प्रदान की जायेंगी जिसमें सभी सेन भक्तों को सादर आमंत्रित किया जाता है। की मंगलवार सुबह से सेन मंदिर प्रांगण में आये और सेन जयंती कार्यक्रम का लुफ्त उठाये ।

व्यंग्य चित्र कला सेवी सम्मान से सम्मानित हुए कार्टूनिस्ट राजकुमार

छिंदवाड़ा। विश्व कार्टूनिस्ट दिवस के अवसर पर बहु चर्चित कला कार्टूनिंग से जुड़े ज़िले के वरिष्ठ कार्टूनिस्ट श्री राजकुमार चौहान जी को ''व्यंग्य चित्र कला सेवी सम्मान'' से सम्मानित किया गया। इस संदर्भ में साहित्य, संगीत, संस्कृति को समर्पित संस्था युवा प्रतिभा प्रोत्साहन मंच के पदाधिकारियों ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि श्री चौहान उक्त कला के क्षेत्र में ज़िले का प्रतिनिधित्व करते हुए विधा को प्रचारित करने का कार्य निरंतर कर रहे हैं जिसके फलस्वरूप संस्था ने उन्हें विश्व कार्टूनिंग दिवस पर सम्मानित करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर संस्था पदाधिकारी, कलाप्रेमी उपस्थित रहे।

आपात काल में हृदयघात से कैसे निपटें कार्यशाला

छिंदवाड़ा। इंस्टीयूट आफ मेडिकल साइंसेस, छिंदवाड़ा के एनेस्थीसिया विभाग के चिकित्सकों द्वारा फर्स्ट स्टेप सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सीपीआर Cardiopulmonary resuscitatioठकार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सिम्स छिंदवाड़ा के डॉ. अश्विनी पटेल, एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागध्यक्ष, डॉ. सोनाली त्रिपाठी एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. निकिता वर्मा असिसस्टेंट प्रोफेसर एवं डॉ. उमेश शिवहरे, जूनियर रेसीडेंट द्वारा आपातकाल में हृदयघात की स्थिति से निपटने के लिए बच्चों और शिक्षकों को प्राथमिक उपचार के विषय में जानकारी एवं प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. विवेकानंद वाघमारे, प्रभारी अधिष्ठाता सिम्स के द्वारा चिकित्सकों को इस सराहनीय कार्य। उक्त कार्यक्रम 150 विद्यार्थियों एवं शिक्षको ने भाग लिया।

शहर की खुबसूरती तभी जब हम अपने छोटे तालाब को रखे प्रदूषण मुक्त: विनोद तिवारी

जन अभियान परिषद के नवांकुर, प्रस्फुटन सहित बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंट ने श्रमदान से कुंड की, की सफाई

छिंदवाड़ा। जल संरक्षण एवम जल स्त्रोतों की सफाई का बीड़ा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ने उठाते हुए ग्रामीण अंचल में कुए, बावली तालाबों की साफ सफाई एवं जल संरक्षण पर सीएमसीएलडीपी पाढयक्रम के बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंट नवांकुर संस्थाए, प्रस्फुटन समितियां सहित सभी परामर्श दाताओं, समाजसेवीयों के सहयोग से निरंतर जल संरक्षण के कार्य किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में गत दिवस शहर के मध्य स्थित छोटा तालाब में बने कुंड की सफाई की गई। आस्था का केंद्र छोटा तालाब में पूजन सामग्री, प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए कुंड बनाया गया है। कुंड की नियमित सफाई न होने की वजह से यह बहुत गंदा हो गया है। ऐसे में जल स्रोत भी दूषित हो रहे हैं। कुंड में सामग्री पड़े रहने से सड़न भी हो रही है। एवम तलाब भी गन्दा हो रहा है इन्ही सभी बातों को देखकर जन अभियान परिषद की टीम ने जिला समन्वयक अखिलेश जैन के मार्गदर्शन एवम नेतृत्व में परामर्शदाताओं में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त समाजसेवी रोटे. विनोद तिवारी, मेंटर्स श्रीमती लता नागले,अशीष साहू, मनीष तिवारी, डाक्टर चंद्रकांत विश्वकर्मा,डाक्टर महेश पवार ,बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंट ने श्रमदान से कुंड की सफाई की जिसमे नगर निगम का अमला प्रमुख रूप से सहयोगी रहा। जल संरक्षण एवम श्रमदान कार्यक्रम में जन अभियान परिषद की टीम ने सुबह 7 बजे से प्रेरणा दाई गीत के साथ कुंड की गन्दगी घुमेले में सभी ने नगर निगम की गाड़ी में डाली।कार्यक्रम के बाद सभी को जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन ने स्वच्छता एवम जल संरक्षण की शपथ दिलाई।इस अवसर पर जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन के साथ परामर्श दाता विनोद तिवारी, आशीष साहू, लता नागले, चंद्रकांत विस्वकर्मा, मनीष तिवारी जन अभियान के बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंट,मुकेश दीक्षित,नंदू निर्मलकर , रविंद्र नाफडे,रितु बोपचे,आराधना पाटिल, अंजली विश्वकर्मा, इंद्र कुमारी, रुशति यादव,ज्योति कुशवाहा,जयश्री,अमित बरखानिया,रघुवीर सिंह तोमर, निहाल मिश्रा , भूमिका राजपूत, सचिन सुर्यवंशी, वंदना , महेश वंदेवार, श्रीमती सरोज कुशवाह,श्रीमतीअलका शुक्ला, बहुउद्देशीय शैक्षणिक विकास समिति छिंदवाड़ा के अध्यक्ष व्ही के तिवारी,संकल्प वेलफेयर सोसायटी नवांकुर संस्था के अध्यक्ष डाक्टर सी के विश्वकर्मा,सिद्धि विनायक नगर विकास नवांकुर संस्था के अध्यक्ष डॉ महेश बन्देवार,,नगर विकास प्रस्फुटन समिति पातालेश्वर ,शिवनगर के अध्यक्ष मनीष तिवारी ,मैत्री नगर विकास प्रस्फुटन समिति परतला की अध्यक्ष श्रीमती लता नागले,नवअंकुर संस्था अपूर्वा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था संस्था अध्यक्ष संजय साहू ,सहित बड़ी संख्या में युवा जनों ने श्रमदान कर कुंड की सफाई की।

25 प्राचार्यों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

जारी हाई स्कूल व हायर सेकेण्डरी परीक्षा परिणाम 2023-24 की समीक्षा बैठक

छिन्दवाड़ा।। माध्यमिक शिक्षा मंडल म.प्र. भोपाल द्वारा जारी हाई स्कूल व हायर सेकेण्डरी परीक्षा परिणाम की समीक्षा बैठक आज शासकीय कन्या शिक्षा परिसर छिन्दवाडा में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सत्येन्द्र सिंह मरकाम की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विगत वर्ष के परीक्षा परिणाम से इस सत्र के परीक्षा परिणाम की तुलना की गई, जिसमें यह पाया गया कि विभाग अंतर्गत 18 हाईस्कूल और 07 हायर सेकेण्डरी स्कूलों का परीक्षा परिणाम 40 प्रतिशत से कम रहा हैं। इस दौरान इन हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों के प्राचार्यों से चर्चा करने पर यह पाया गया कि विषय गणित एवं अंग्रेजी में अधिकतर छात्र-छात्राएँ अनुत्तीर्ण हुये हैं। इसी प्रकार हायर सेकेण्डरी में अंग्रेजी एवं अर्थशास्त्र में अधिकतर छात्र-छात्राएँ अनुत्तीर्ण हुये हैं। इस संबंध में प्राचार्यों से परीक्षा का परिणाम कम आने का कारण जानने के लिये कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। कारण बताओ सूचना पत्र का जबाब प्राप्त होने पर संतोषजनक नहीं पाये जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने आगामी सत्र 2024-25 के लिये कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के लिये भी निर्देश दिये। परीक्षा परिणाम के अतिरिक्त एमपी टास, आदिवासी न्याय महाअभियान, आहार अनुदान एवं स्थापना शाखा की भी समीक्षा की गई और इन से संबंधित कार्यो की भी मॉनीटिरिंग करने और प्रगति लाने के निर्देश प्राचार्यो को दिये।

बहादुर जवान की शहादत बेकार नहीं जाएगी: डॉ. मोहन यादव

छिंदवाड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को छिंदवाड़ा पहुंचकर जम्मू कश्मीर में आंतकवादियों के हमले में शहीद हुए एयरफोर्स के जवान विक्की पहाड़े को पुष्प चक्र अर्पित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुष्पेचक्र अर्पित

करने के बाद कहा कि हमारे बहादुर जवान पर हमें गर्व है, जिसने मातृभूमि की सेवा में अपना सर्वस्व समर्पित किया। जिन्होंने यह कायराना हमला किया उनको उसकी कीमत चुकाना पड़ेगी। देश ऐसे बहादुर जवानों से ही अपनी यात्रा तय करता आया है। हमें अपनी सेना पर गर्व है। राज्य सरकार अपने बहादुर जवान की शहादत को बेकार नहीं जाने देगी। सरकार शहीद के बालक की भी चिंता करेगी।

प्रचार से ज्यादा महत्वपूर्ण शहीद का सम्मान

डॉ. मोहन यादव ने कहा कि शहीद विक्की पहाड़े की स्मृति को चिरस्थाई बनाने के लिए एक स्मृति द्वार बनाया जाएगा। उनके नाम पर किसी वार्ड के नामकरण से संबंधित प्रस्ताव प्राप्त होगा, तो उसको स्वीकृत करेंगे। डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार शहीद के परिजनों के 1 करोड़ की सहायता राशि प्रदान करने के लिए चुनाव आयोग को प्रस्ताव भेज रही है।

कमलनाथ, नकुलनाथ को चिंता नहीं- बी.डी.शर्मा

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.डी. शर्मा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शहीद को श्रद्वांजलि अर्पित करने छिंदवाड़ा पहुंचे लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और नकुलनाथ शहीद को श्रद्वांजलि देने नहीं पहुंचे।

सामान्य ज्ञान बढाना है तो दैनिक पेपर पढ़े

छिंदवाड़ा। 24 एमपी बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल थॉमस ओमेन की अध्यक्षता में संचालित किए जा रहे इस एनसीसी कैंप में 10 एनसीसी ऑफिसर 15 पी आई स्टाफ सहित सिविल स्टाफ के सहयोग से सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे इस कैंप में व्यक्तित्व विकास तथा सामान्य तथा विशिष्ट विषयों की कक्षाओं सहित शूटिंग, फील्ड क्राफ्ट , बैटल क्राफ्ट , गार्ड ऑफ़ ओनर , सेक्शन फॉर्मेशन, छद्म युद्धाभ्यास , फायरिंग, मैप रीडिंग , फर्स्ट एड , जैसे विषय पढ़ाए जा रहे हैं इससे कैडेट्स के सर्वांगीण विकास आधारित प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं, एस डबल्यू ,जे डबल्यू कैडेट्स को विमेन क्राइम एंड सेफ्टी विथ अवेयरनेस प्रोग्राम के विषय विशेषज्ञ पुलिस अधिकारी विमेन प्रोटेक्शन सेल प्रभारी सिवनी के डीएसपी प्रदीप वाल्मीकि द्वारा एनसीसी कैडेट्स को सशक्त, शिक्षित, और सकारात्मक बनने की प्रेरणा देते हुए बताया गया की सर्वप्रथम वे अपनी शिक्षा को स्वावलंबन का माध्यम बनाए फिर एक मजबूत सामाजिक न्याय आधारित समाज की स्थापना में अपना योगदान दें, करियर के रूप में एनसीसी उनके लिए बहुत लाभदायक हो सकती है वो आर्मी, नेवी, एयरफोर्स, आर्म्ड फोर्सेज, सीआरपीएफ, पुलिस सेवा , सहित अनेक क्षेत्रों में अपना करियर बना सकती हैं, जनरल नॉलेज बेहतर करने के लिए सबको राष्ट्रीय स्तर के अखबारों, और मासिक प्रतिस्पर्धा आधारित कम से कम दो मैग्जीन का अध्यन करना चाहिए।वन एवम् वन्य जीव संरक्षण ÷ विषय पर आयोजित कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ ब्रजेश सिंह परिहार ने मध्यप्रदेश के पुनः टाइगर स्टेट बनने पर सबको बधाई दी साथ ही अवगत कराया की यहां भारत का एकमात्र चीता पुनर्वास एवं संरक्षण पार्क कूनो नेशनल पार्क का उल्लेख किया आगे उन्होंने बताया कि वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत वन्य जीवो का संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन के लिए आवश्यक है, देश में कुल लगभग 25 प्रतिशत वन है इसमें राज्य का प्रतिशत 31.25 प्रतिशत है इस घटते वन प्रतिशत का बढ़ाकर 35 से 40 प्रतिशत करने की आवश्यकता है जिससे जल स्तर में वृध्दि , तापमान नियंत्रण, मृदा संरक्षण, मिट्टी के कटाव को रोका जा सके, साथ ही वन्य जीव जैसे मोर, सर्प, विभिन्न पशु पक्षियों शेर , बाघ,नील गाय,हिरण,पैंगोलिन, कछुए, तितली, उल्लू, बाज, गिद्धों का संरक्षण किया जा सके। इस कार्यशाला में 24 एमपी बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल थॉमस ओमेन सहित एडम ऑफिसर कर्नल के पी विजय कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

चार दिनों से लापता युवक का शव कुएं में मिला

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत ग्राम खमरा राजाराम में कुएं में मिला युवक का शव जानकारी के अनुसार युवक विनोद पिता संतोष धुर्वे उम्र 22 वर्ष चार दिनों से लापता था जिसकी तलाश परिजन निरंतर कर रहे थे उन्होंने आसपास के ग्रामों में रिश्तेदारी में पता भी किया और अमरवाड़ा थाने में गुमशुदा की सूचना दी लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली जिसके बाद युवक का शव कुएं में मिला मौके पर पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कुएं से शव को बाहर निकाल और पंचनामा बनाकर मर्ग कायम किया और शव को पीएम के लिए भेजा पीएम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है और पुलिस मामले की गंभीरता के साथ जांच कर रही है गांव में तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त है हत्या या आत्महत्या जिसको लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

युवती हुई लापता

अमरवाड़ा थाना अंतर्गत ग्राम घोघरी निवासी एक 26 वर्षीय युवती दिनांक 29 अप्रैल को करीब 11-00 बजे अपने घर से बिना बताए कहीं चली गई । परिजनों के द्वारा आसपास रिश्तेदारों में पता करने पर युवती की कोई जानकारी नहीं लगी। जिसके बाद अमरवाड़ा थाना आकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। पुलिस द्वारा गुम इंसान कायम कर प्रकरण पतासाजी में लिया गया।

लॉज में वृद्ध की संदेहास्पद मौत

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा नगर में स्थित एक लॉज में भुला मोहगांव निवासी 65 वर्षीय भांगीलाल पिता पिता झनक लाल वर्मा की एक निजी लाज में रात्रि में रुका हुआ था जिसकी सुबह मृत्यु हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 3 मई को भांगीलाल अपने घर से अमरवाड़ा जाने कहकर निकाला था जो की 4 मई को लॉज में रुका हुआ था। रविवार की सुबह 8-00 बजे ताराबाई नामक महिला ने राजकुमार वर्मा के पास फोन किया कि तुम्हारे पिता की तबीयत खराब हो गई है और शासकीय अस्पताल अमरवाड़ा लाया गया है। खबर मिलते ही मृतक भांगीलाल के चारों पुत्र उसके ग्राम भुला मोहगांव से अमरवाड़ा पहुंचे और और अस्पताल में जाकर देखा तो उसके पिता मृत अवस्था में मिले। इस बात की सूचना पुलिस को प्राप्त होने पर मौके पर पुलिस पहुंची। शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर पंचनामा बनाकर शव परिजनों को सौप आगे पूरे मामले की सूक्ष्म रूप से जांच की जारी है।

तीन पीढ़ी 106 वर्ष की माताराम

IAS Smt & Shri Sanjay Shukla ji

IAS Smt & Shri J N Kansotia

पूर्व विधायक जोधाराम गुर्जर ने साथियों के साथ डाला वोट

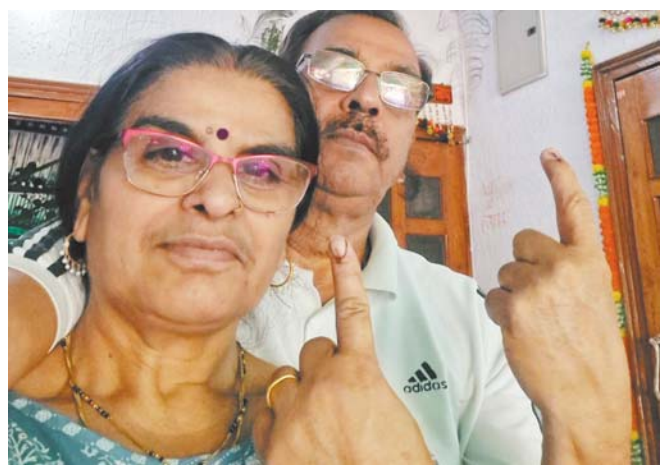
जबर सिंह गुर्जर ने पत्नि के साथ बूथ क्रमांक 446 केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 3पर मतदान किया।

जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी परिवार सहित मतदान किया। बूथ क्रमांक-47 आदित्य ज्ञान मंदिर स्कूल पीपल चौराहा करोंद आप सभी मतदान अवश्य करें राष्ट्रीय हित में

Sanjeev Agrawalji

Dr Hitesh Bajpai

Jagdish Kaushal 9+

Posts Photos Reels

अपने 91 वर्ष की लंबी उम्र में आज मैंने नवी बार लोकसभा चुनाव के लिए अपने मताधिकार का उपयोग किया संविधान के अनुसार प्रत्येक नागरिक को मताधिकार का मूल अधिकार प्रदान किया गया है उसका हर नागरिक को अपने विवेक के साथ लोकतंत्र की रक्षा के लिए सदुपयोग करना चाहिए
मेरी हार्दिक अभिलाषा है कि हमारा गणतंत्र और लोकतंत्र अजर रहे अमर रहे जय हिंद जय भारत

चूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने नीलबड़ स्थित बरखेड़ी कलां मतदान केन्द्र पर सपत्नीक मतदान किया एवं सभी से वोट डालने की अपील की।